राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 7 जनवरी-2022 वर्ष-4,अंक-345 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अचानक से बदबू आई और एक-एक कर लोग नीचे गिरने लगे.

जहरीली गैस लीक होने से 6 लोगों ने गंवाई जान, अस्पताल में भर्ती 23 में से सात की हालत गंभीर

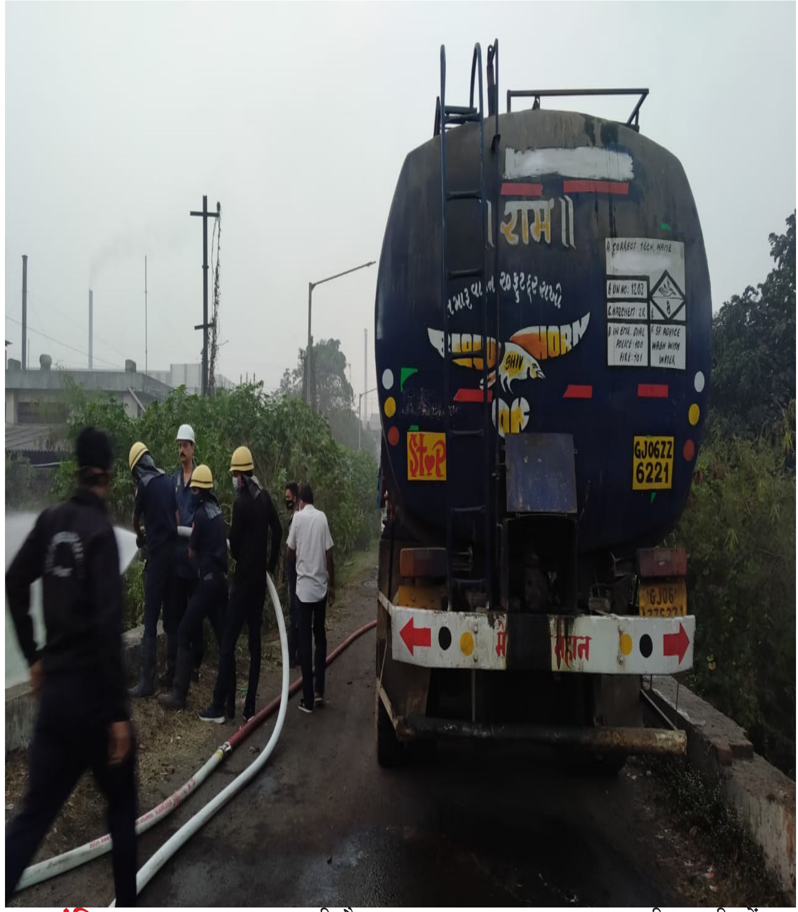

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में सुबह जहरीली गैस के रिसाव से 6 लोगों की मौत हो गई। आंखों में जलन और दम घुटने की वजह से बेहोश हुए 23 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें 7 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना उस समय हुई जब सचिन जीआईडीसी क्षेत्र की खाडी में जहरीले कैमिकल का निपटारा किया जा रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार की सुबह करीब चार बजे सूरत के सचिन जीआईडीसी स्थित राजकमल चौराहे के निकट विश्वाप्रेम नामक डाइंग मिल के सामने से गुजरती खाडी में एक टैंकर से अत्यंत ज्वलनशील और जहरीला कैमिकल छोड़ा जा रहा था। जिसकी गैस वातावरण में मिलने से मिल में कार्यरत कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। आंखों में जल, चक्कर आने और दम घुटने से कर्मचारी मिल के बाहर आ गए। हांलाकि वातावरण में घुल चुकी गैस इतनी तीव्र था कि एक के बाद एक कर्मचारी जमीन पर गिरने लगे। अचानक हुई इस घटना से लोग चीखने-चिल्लाने लगे। घटनास्थल पर एम्ब्युलैंस के पहुंचने से पहले एक के बाद एक 6 कर्मचारियों ने दम तोड़ दिया। जबकि 23 लोगों को एम्ब्युलैंस और पुलिस वैन में अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में 7 को वेन्टीलेटर पर और 4 को ऑक्सीजन पर रखा गया है। इस घटना से सचिन जीआईडीसी ही नहीं पूरे शहर में हाहाकार मच गया। इस घटना में 30 वर्षीय सुलतान, 20 वर्षीय कालीबेन, 30 वर्षीय सुरेश के अलावा 30, 50 और 44 वर्षीय अज्ञात समेत 6 लोगों की मौत हो गई। जबकि 38 वर्षीय उमेश दशरथ प्रसाद, 34 वर्षीय मनोज रामा विश्वकर्मा, 20 वर्षीय छोटेलाल यादव, 35 वर्षीय पुनित सिंग, 34 वर्षीय अशोक तिवारी, 45 वर्षीय गरीबनदास, 45 वर्षीय गजेन्द्रसिंह, 35 वर्षीय रामतीर्थ मिश्रा, 35 वर्षीय राजनाथ यादव, 18 वर्षीय रवि, 40 वर्षीय महावीर, 20 वर्षीय सुनील, 30 वर्षीय अवधेश प्रजापति, 23 वर्षीय रविन्द्र, 30 वर्षीय श्याम भगवत शर्मा, 50 वर्षीय राधेश्याम, 19 वर्षीय राजकुमार और 6 अज्ञात समेत लोग शामिल हैं। घटना के बाद पुलिस प्रशासन के आला अफसरों समेत फायर विभाग, जीपीसीबी और फोरेंसिक की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। फोरेंसिक अधिकारियों की टीम ने टैंकर से जहरीले कैमिकल के सैंपल लेने के साथ ही खाडी में छोड़े गए केमिकलवाले पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। जीपीसीबी के अधिकारी पराग दवे ने बताया कि छह महीने पहले इसके साथ ही तीन शिकायतें मिली थीं। इससे पहले सचिन और जहांगीरपुरा में शिकायते प्राप्त हुई थीं और उसके आधार कानूनी कार्रवाई भी की गई थी। मामले में एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

चश्मदीद ने कहा, 'मेरी आंखों के सामने 3 मजदूरों की मौत हो गई, कई बेहोश हो गए.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में सचिन जीआईडीसी में गैस कांड देखने वाली एक महिला कार्यकर्ता दर्शरिबेन अजनार ने कहा, "हमारी आंखों के सामने दो फोरमैन और एक हेल्पर की मौत हो गई है।" तीनों को अचानक सांस लेने में तकलीफ हुई और वे बेहोश हो गए। गेट नंबर 3 के पास पानी पीने आए कारीगर भी बेहोश होने लगे, जिससे कारीगरों में दहशत फैल गई. हम भी पीछे बने झोंपड़ियों की ओर भागे। कुछ लोग अपनी जान बचाने के लिए झोपड़ी में भी आ गए। मैं बॉयलर में कोयला डालने वाली मिल में काम करता हूं। घटना के समय हम में से 7 लोग घटनास्थल पर मौजूद थे। बदबू के कारण छोटे बच्चों के साथ रहने वाले परिवारों की स्थिति विकट हो गई है।

मैं बूमबूम को देखने गया और अचानक बेहोश हो गया । मैं विश्वप्रेम डाइंग-प्रिंटिंग मिल में काम करता हूं। मलस्क में एक टैंकर खाली किया जा रहा था। मजदूरों की चीख-पुकार सुनकर मैं गेट की तरफ देखने गया और रास्ते में ही बेहोश हो गया। कुछ देर पहले मुझे होश आया।

राजेंद्र यादव, मिल कर्मचारी

खुले में फेंके जाते हैं टैंकर –

चोर्यासी तालुका के मामलातदार मामलातदार भरत सक्सेना ने कहा कि इस क्षेत्र में टैंकरों को खुले में डंप किया जाता है। जीपीसीबी स्टाफ उपलब्ध नहीं है। हम वह नहीं कर रहे हैं जो हमें करना चाहिए। यह क्षेत्र बहुत बड़ा है। इसलिए हम पर्याप्त काम ठीक से नहीं कर रहे हैं, मामलातदार ने आगे स्वीकार किया।

इससे पहले ३ शिकायतें मिली थीं- जीपीसीपी

जीपीसीबी के अधिकारी पराग दवे ने कहा कि पिछले छह महीने में यह तीसरी शिकायत मिली है. इससे पहले सचिन और जहांगीरपुरा में भी शिकायतें मिली थीं। जिसमें पुलिस में शिकायत दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। इस रसायन को प्रारंभिक अवस्था में एक अम्लीय घटक कहा जा सकता है। इस मामले में भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतें प्राप्त होती हैं और जीपीसीबी द्वारा कार्रवाई की जाती है।

हादसा उस वक्त हुआ जब सचिन जीआईडीसी में सड़क पर खड़े एक केमिकल टैंकर ने केमिकल को ड्रेनेज लाइन डालते समय

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने दौड़ना शुरू कर दिया। सभी पीड़ितों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भेज दिया गया है।पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।संदीप गुप्ता, प्रेम गुप्ता और प्रकाश मारवाड़ी सहित आठ से 10 लोगों के शामिल होने की बात कही जा रही है।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में दहेज से आए 6 जहरीले केमिकल के शिकार, व्यवस्था की घोर लापरवाही के चलते जहरीले रसायनों को खुले में फेंकने के रैकेट में मासूम मजदूरों की मौत हो गई.

सूरत के सचिन जीआईडीसी इलाके में सार्वजनिक (ओपन बे) में जहरीला रसायन डंप करते समय गैस के दम घुटने से छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लोगों को इलाज के लिए शिफ्ट कर दिया गया है. टीम ने तब घटनास्थल का दौरा किया और कई तरह की लापरवाही पाई। पता चला है कि सचिन क्षेत्र में रोजाना बड़ी संख्या में टैंकर केमिकल डंप करने आते हैं। अंकलेश्वर, वडोदरा से दहेज समेत डंप करने के लिए यहां जहरीले रसायन आते हैं, जिसमें आज जो टैंकर आया है, वह दहेज से आया है. जांच में सामने आया है कि सिस्टम की घोर लापरवाही के चलते जहरीले रसायनों को डंप करने का घोटाला चल रहा था। खुद पुलिस कमिश्नर ने माना है कि पुलिस की क्षमता इतनी नहीं है जितनी रोजाना हजारों टैंकर आ रहे हैं. तो ममतादार ने भी हाथ उठाकर कहा है कि इलाका बहुत बड़ा है.

नीचे गिरने लगे लोग- मजदूर

श्याम शर्मा नाम के एक मजदूर ने पूरी घटना की जानकारी देते हुए कहा, ''जब हम काम कर रहे थे तभी अचानक से बदबू आई और एक-एक कर लोग नीचे गिरने लगे. घटना सचिन जीआईडीसी के पास हुई। पाउडर जैसा कुछ लीक हुआ और फिर केमिकल की गंध आने लगी। उस समय हम टेक्सटाइल पेंटिंग कर रहे थे। फिर कुछ ही पलों में सभी गिरने लगे और कोई एक दूसरे को बचा नहीं सका और सभी घायल हो गए। इसके बाद सभी दौड़ने लगे।' जमीन पर गिरे पन्द्रह से बीस लोग = हेल्पर

इस संबंध में विश्व प्रेम मिल में सहायिका का काम करने वाले युवक दिलीप कुमार ने कहा, ''एक केमिकल टैंकर में आग लग गई. तभी धुआं निकल रहा था। लोगों को बाहर निकाला जा रहा था। जब हमने जाकर देखा तो उनमें से 3 हमारे थे। हमने बाहर जाकर देखा तो गेट के बाहर रंग लगा हुआ था और उसमें आग लगी हुई थी। वहां करीब पंद्रह से बीस लोग जमीन पर गिर पड़े। साढ़े तीन बजे मदद दी गई।' सूरत के सचिन जीआईडीसी में एक केमिकल से भरे टैंकर को खुले में फेंके जाने के बाद दम घुटने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है और २३ से अधिक श्रमिकों और कारीगरों को अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इससे जीआईडीसी में विश्व प्रेम मिल के 10 कारीगर और अन्य मजदूर प्रभावित हुए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने दौड़ना शुरू कर दिया। सभी पीड़ितों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भेज दिया गया है।पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।संदीप गुप्ता, प्रेम गुप्ता और प्रकाश मारवाड़ी सहित आठ से 10 लोगों के शामिल होने की बात कही जा रही है। माना जाता है कि गुप्त बंधु भूमिगत हो गए थे।

हाइड्रोजन सल्फाइट से मौत का अंदेशा –

डॉ. वसावा अश्विन वसावा (चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक) ने कहा कि सचिन के साथ हुए हादसे के लिए हाइड्रोजन सल्फाइट नामक रसायन को जिम्मेदार कहा जा सकता है. इतना ही नहीं यह केमिकल सांस और दिमाग पर सीधा असर डालता है। यह सांस लेने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है और मस्तिष्क को काम करने से धीमा कर सकता है। यदि घटना के कुछ ही मिनटों के भीतर इलाज यानि एंटी-डॉट दे दिया जाए तो मरीजों को बचाया जा सकता है। यह जहरीला द्रव सांस लेने के बाद मस्तिष्क की मृत्यु का कारण बन सकता है। छह मौतों का कारण ब्रेन डेथ भी हो सकता है। हालांकि सैंपल लैब में भेज दिए गए हैं और पोस्टमार्टम शुरूकर दिया गया है। लैब रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारण का पता चल सकेगा।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार उसका कार्य सर्व स्वीकृत होकर अनुकरणीय बन जाता है। - स्वामी विवेकानन्द

संपादकीय

सुरक्षा से समझौता

प्रधानमंत्री का काफिला अगर किसी फ्लाईओवर पर 15-20 मिनट के लिए रुक जाए, तो यह न सिर्फ चिंता की बात, बल्कि गंभीर लापरवाही का प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री का कार्यक्रम पूर्व निर्धारित था, उन्हें फिरोजपुर में एक रैली को संबोधित करना था, लेकिन जब काफिला रुक गया, तो उन्हें लौटना पड़ा। विशेषज्ञ इसे सुरक्षा में भारी चूक मान रहे हैं। पंजाब पहले आतंकवाद की जमीन रह चुका है, अतः वहां विशिष्ट लोगों की सुरक्षा चाक-चौबंद होनी चाहिए। प्रधानमंत्री की सुरक्षा तो विशेष रूप से सुनिश्चित होनी चाहिए, लेकिन पंजाब में यह शायद सरकार के स्तर पर हुई बड़ी चूक है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब सरकार से रिपोर्ट मांगी है और राज्य सरकार ने भी तत्काल कदम उठाते हुए फिरोजपुर के एसएसपी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पंजाब सरकार को इस चूक की तह में जाना चाहिए। अगर यह चूक प्रशासन के स्तर पर हुई है, तो ऐसे लापरवाह अधिकारियों के लिए सेवा में कोई जगह नहीं होनी चाहिए और यदि इसके पीछे कोई सियासत है, तो इससे घृणित कुछ नहीं हो सकता। प्रदर्शनकारियों को पता था कि प्रधानमंत्री का काफिला गुजरने वाला है, लेकिन क्या यह बात सुरक्षा अधिकारियों को नहीं पता थी कि प्रधानमंत्री का रास्ता प्रदर्शनकारी रोकने वाले हैं? यह बात कतई छिपी नहीं है कि हम एक ऐसे देश में रहते हैं, जहां दुश्मन तत्वों की सक्रियता अक्सर सामने आती रहती है। ऐसे तत्वों के साथ अपराधी तत्वों का घालमेल हमें पहले भी मुसीबत में डाल चुका है। बेशक, इस देश के लोगों को प्रधानमंत्री से कुछ मांगने का पूरा हक है, लेकिन उनका रास्ता रोकने की हिमाकत किसी अपराध से कम नहीं है। गया वह जमाना, जब प्रधानमंत्री की लोगों के बीच सहज उपस्थिति संभव थी, अब पहले जैसा खतरा हम नहीं उठा सकते। क्या हमने एक प्रधानमंत्री और एक पूर्व प्रधानमंत्री को खोकर कुछ सीखा है? दिल्ली की सीमाओं पर महीनों तक बैठने और पंजाब में सीधे प्रधानमंत्री का रास्ता रोकने के बीच जमीन-आकाश का फासला है। अब इसमें शक नहीं कि राजनीति तेज हो जाएगी, क्योंकि पंजाब में हुई इस चूक ने मौका दे दिया है। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री ने भी इस चूक पर नाराजगी जताई है। अतः इस चूक को पूरी गंभीरता से लेते हुए पंजाब सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि उस राज्य में रास्ता रोकने की राजनीति अपनी हदों में रहे। ऐसे रास्ता रोकने की दुष्प्रवृत्ति पर तत्काल प्रहार की जरूरत है, ताकि आगे के लिए एक मिसाल बन जाए। आशंका है कि ऐसे रास्ता रोकने वालों को किसी प्रकार की कार्रवाई से बचाने के लिए भी पंजाब में राजनीति होगी। कोई आश्चर्य नहीं, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सेंध की खबर के बाद वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर दी है। गंभीर राजनीति को ठोस समाधान के बारे में सोचना व बताना चाहिए, राष्ट्रपति शासन समाधान नहीं है। यह दुखद है कि अपने देश में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच अक्सर समस्या जस की तस बनी रह जाती है। अपना तात्कालिक राजनीतिक मकसद हल करने के बाद नेता भी ऐसी मूलभूत चूक या समस्या को भुला देते हैं। इस बार ऐसा न हो, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पंजाब सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय की है। उम्मीद कीजिए, पूरा सच और समाधान सामने आएगा।

आज के कार्टून

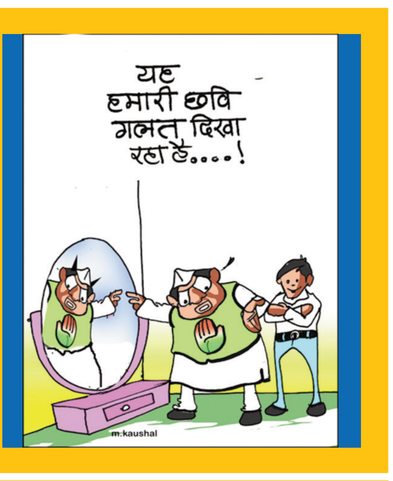
यह हमारी छवि गलत दिखा रहा है....!
m.kaushal

किसानी

जग्गी वासुदेव

भारत में 50 फीसद से ज्यादा जमीन पर खेती- होती है। इसका अर्थ ये है कि हम 50 फीसद से ज्यादा जमीन को लगातार जोत रहे हैं, बिना किसी विराम के। लेकिन यदि हम खेती में ज्यादा वैज्ञानिक प्रक्रिया लाएं, तो केवल 30 फीसद जमीन ही समस्त भारतीयों को खिलाने के लिए पर्याप्त है। यह संस्कृति खास तौर पर दक्षिण भारत में कर्नाटक में थी कि उन पेड़ों को वे अपने बेटों, बेटियों के नाम दे देते थे। जब एक बेटी के विवाह का अवसर आता था तो वे एक पेड़ काट डालते और उससे सारा खर्च निकल जाता था। अभी हम जिस ढंग से खेती कर रहे हैं वह पिछले 1000 साल से वैसा ही है, कुछ भी नहीं बदला। बाहर से दिखने वाले तमाम आधुनिक उपकरणों के बावजूद। ये बहुत ही अकुशल ढंग से की जा रही है। उदाहरण के लिए, भारत में 1 किग्राचावल उगाने के लिए 3500 लीटर पानी खर्च होता है। चीन में इससे आधे में काम चल जाता है और उनकी उत्पादकता हमारी उत्पादकता से दोगुनी है। हमें अपनी खेती में आधुनिक विज्ञान का ज्यादा उपयोग करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में बहुत सारे वैज्ञानिक हैं, बहुत ज्ञान उपलब्ध है, बहुत तकनीकें हैं लेकिन वह खेती की जमीन तक नहीं पहुंच रहा। हमने अपने अभियान 'रैली फॉर रिवर्स' के दौरान तीन वियतनामी विशेषज्ञों को बुलाया था क्योंकि वियतनाम फलों का एक बड़ा निर्यातक देश है। जब हमने उनसे बात करनी शुरू की तो वे हम पर हंस रहे थे। उन्होंने कहा,'22 साल पहले, हम तीनों दिल्ली के एग्रीकल्चर कॉलेज में पढ़ते थे। हमनें वहां से सब कुछ सीखा और वो सारी बातें हमनें अपनी जमीन पर आजमाई। आप के पास सब ज्ञान है पर आप लोग बस रिसर्च पेपर लिखते हैं और अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में जाते हैं। आप वो चीजें जमीन पर नहीं करते। यही आप की समस्या है'। उसने आंखें खोलने वाली सच्चाई से मुझे रुबरु करया था। इससे शायद ही कोई इंकार करे। यह त्रासदी है हमारे कृषि अनुसंधान क्षेत्र की। इसीलिए हम तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिर्वसटिी और कोयम्बटूर के फारेस्ट कॉलेज के साथ मिल कर काम कर रहे हैं, जिससे हमारे विश्वविद्यालयों में उपलब्ध ज्ञान, तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल खेती की जमीनों पर किया जा सके। इसके बेहतर रिजल्ट आने की उम्मीद है।

ओमीक्रॉन संकट के बीच चिंता बढ़ाता डेल्मिक्रॉन

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

दुनियाभर में जनवरी 2020 में शुरू हुआ कोरोना संक्रमण का प्रकोप थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। आए दिन सामने आते इसके विभिन्न रूपों से पूरी दुनिया चिंतित है। दक्षिण अफ्रीका से लेकर ब्रिटेन तक तबाही मचा रहे कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमिक्रॉन' का प्रभाव अब भारत सहित दुनिया के तमाम हिस्सों में तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश में ओमिक्रॉन से संक्रमितों की संख्या चंद दिनों में ही 1500 के पार पहुंच गई है और तमाम विशेषज्ञों द्वारा इसी वजह से फरवरी माह में तीसरी लहर की भविष्यवाणी की जा रही है। ओमिक्रॉन के निरन्तर बढ़ते खतरे के बीच अब कोरोना वायरस के नए वेरिएंट 'डेल्मिक्रॉन' पर बहस शुरू हो गई है। इस बहस के बीच चिंता बढ़ाने वाली बात यह है कि जहां अभी तक के अध्ययनों में पता चला है कि ओमिक्रॉन कोरोना के डेल्टा वेरिएंट से कई गुना अधिक संक्रामक होने के बावजूद ज्यादा खतरनाक नहीं है, वहीं वैज्ञानिकों के मुताबिक डेल्मिक्रॉन लोगों में कोरोना की गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है। यूरोप तथा अमेरिका में कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए डेल्मिक्रॉन को ही जिम्मेदार माना जा रहा है। यही कारण है कि भारत में भी इसे लेकर चिंता का माहौल बनने लगा है। भारत में डेल्मिक्रॉन शब्द का उल्लेख सबसे पहले महाराष्ट्र कोविड-19 टास्क फोर्स के अधिकारी डा. शशांक जोशी ने किया था। उन्होंने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि यूरोप तथा अमेरिका में डेल्टा और ओमिक्रॉन के ट्विन स्पाइक्स से उपजे डेल्मिक्रॉन ने लोगों के लिए मुसीबतें बढ़ा दी हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना के ओमिक्रॉन और डेल्टा वैरिएंट का संयोजन है डेल्मिक्रॉन, जिसे कोरोना का 'सुपर स्ट्रेन' भी कहा जा रहा है। हालांकि डेल्मिक्रॉन कोरोना का कोई नया वेरिएंट या म्यूटेशन नहीं है बल्कि यह डेल्टा और ओमिक्रोन, इन दोनों के प्रोटीन का एक संयोजन है और डेल्मिक्रॉन शब्द तभी उपयोग किया जा रहा है, जब कोई व्यक्ति कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों वेरिएंट से संक्रमित होता है। डेल्टा और ओमिक्रॉन संक्रमण एक साथ हो जाने की स्थिति को ही 'डेल्मिक्रॉन' नाम दिया गया है अर्थात् जब कोई व्यक्ति डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों से संक्रमित हो जाता है, तब उसे डेल्मिक्रॉन का संक्रमण कहते है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि डेल्टा और ओमिक्रॉन के मिलने से दुनिया के कई हिस्सों में एक नई लहर आ सकती है। कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के संक्रमण के कारण भारत में दूसरी लहर के दौरान लोगों में बहुत गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं देखने को मिली थी जबकि ओमिक्रॉन को अभी तक का सबसे संक्रामक वैरिएंट माना जा रहा है, इसीलिए विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों वेरिएंट के संयोजन से बना डेल्मिक्रॉन गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्ति, बुजुर्ग तथा कोमोर्बिडिटी (एक से अधिक बीमारियों से ग्रसित) व्यक्ति डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों ही वैरिएंट से एक साथ संक्रमित हो सकते हैं और ऐसे ही लोगों के अंदर इन दोनों वेरिएंट के वायरस मिलकर नया सुपर स्ट्रेन डेल्मिक्रॉन बना रहे हैं। कोरोना वायरस स्पाइक प्रोटीन से ही मानव शरीर की कोशिका में प्रवेश करने के रास्ते खोलता है और चूंकि डेल्मिक्रॉन में डेल्टा तथा ओमिक्रॉन के जुड़वां स्पाइक प्रोटीन हैं, इसीलिए डेल्मिक्रॉन में कोरोना के इन दोनों वैरिएंट के स्पाइक प्रोटीन होने के कारण ही यह ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार नवम्बर माह तक अमेरिका के कुल कोरोना मामलों में 99 फीसदी के लिए डेल्टा वैरिएंट जिम्मेदार था लेकिन दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक वहां कोरोना के 73 फीसदी से भी ज्यादा मामले ओमिक्रॉन के थे जबकि 27 फीसदी से कम डेल्टा के मामले थे। ब्रिटेन का भी कुछ ऐसा ही हाल है, जहां ओमिक्रॉन के फैलते ही प्रतिदिन कोरोना के एक लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है अमेरिका तथा ब्रिटेन में कोरोना की तेज रफ्तार के पीछे डेल्टा या ओमिक्रॉन के बजाय डेल्टा और ओमिकॉन से मिलकर बना सुपर स्ट्रेन डेल्मिक्रॉन जिम्मेदार हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक डेल्मिक्रॉन संक्रमण तब भी हो सकता है, जब डेल्टा संक्रमण से उबरने वाला व्यक्ति ओमिक्रॉन वेरिएंट से पुनः संक्रमित हो जाए। हालांकि ऐसे संक्रमण को दुर्लभ माना गया है लेकिन भीड़-भाड़ वाली जगहों के सम्पर्क में आने पर ऐसा संभव है। हालांकि कुछ विशेषज्ञ डेल्टा तथा ओमिक्रॉन के मिलने से सुपर स्ट्रेन बनने की बात को लेकर सहमत नहीं हैं लेकिन कुछ शोधकर्ताओं का कहना है कि भले ही डेल्टा और ओमिक्रॉन का संयोजन होना दुर्लभ है लेकिन सही परिस्थितियां मिलने पर ऐसा संभव है। दक्षिण अफ्रीका से कई ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं, जिनमें बताया गया है कि वहां कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में दोनों वैरिएंट होने की आशंका थी। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स के महामारी विशेषज्ञ पीटर व्हाइट भी सुपर स्ट्रेन की ऐसी संभावना को लेकर चेतावनी दे चुके हैं। वहीं, कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी 'मॉडर्ना' के चीफ मेडिकल ऑफिसर डा. पॉल बर्टन का भी कहना है कि यह संभव है कि डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों वैरिएंट जीन की अदला-बदली करके एक नया खतरनाक वैरिएंट बना चुके हों। भारत में डेल्मिकॉन संक्रमण बढ़ने की आशंका को लेकर चिंता गहराने का कारण यह भी है क्योंकि ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सुपर स्ट्रेन दुनिया के अन्य हिस्सों में अपना असर दिखा रहा है तो यह भारत के लिए भी बड़ा खतरा हो सकता है। हालांकि अभी भी भारत में डेल्टा ही प्रमुख रूप से प्रभावी वैरिएंट है लेकिन ओमिक्रॉन धीरे-धीरे दुनिया के अन्य देशों की भांति जिस प्रकार डेल्टा की जगह ले रहा है, उससे चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। वैसे अभी इसकी भविष्यवाणी करना संभव नहीं है कि हमारे यहां डेल्टा तथा ओमिक्रॉन मिलकर सुपर स्ट्रेन 'डेल्मिक्रॉन' जैसा व्यवहार करेंगे या नहीं लेकिन दुनिया के अन्य देशों की स्थिति को देखते हुए इसका खतरा बरकरार है। जहां तक डेल्मिक्रॉन के प्रमुख लक्षणों की बात है तो इसके कोई विशेष लक्षण नहीं हैं। अभी तक डेल्टा और ओमिक्रॉन रोगियों में बुखार, खांसी, नाक बहना, सिरदर्द, गंध या स्वाद चले जाना सहित कुछ अन्य लक्षण देखे गए हैं और कुछ अध्ययनों में यह तथ्य सामने आया है कि डेल्मिक्रॉन का प्रभाव डेल्टा की तुलना में हल्का होता है, ऐसे में मौत का खतरा कम रहता है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे इलाके, जहां वैक्सीनेशन कम हुआ है, वहां के लोगों पर डेल्मिक्रॉन कहर बरपा सकता है। वैसे ओमिक्रॉन की संक्रामकता कम करने में कोरोना वैक्सीन कितनी कारगर है, इसे लेकर अध्ययन किए जा रहे हैं, उसी आधार पर पता चलेगा कि डेल्टा और ओमिक्रॉन के संयोजन से वैक्सीन किस हद तक सुरक्षा दे सकेगी। डेल्मिक्रॉन के प्रभावों को लेकर विस्तृत जानकारी आने वाले दिनों में इस पर किए जा रहे अध्ययनों के निष्कर्षों के आधार पर ही आएगी लेकिन फिलहाल तो तमाम विशेषज्ञों का यही कहना है कि वैक्सीनेशन इससे बचाव का प्रमुख हथियार है। इसके अलावा इसकी चपेट में आने से बचने के लिए कोविड-उपयुक्त व्यवहार जैसे मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग और अनावश्यक भीड़ से बचना जरूरी है।

भ्रम व दोहरेपन के बीच फिर कोरोना की दहशत

(लेखिका- निर्मल रानी)

स्वास्थ्य वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना की तीसरी लहर विश्वव्यापी स्तर पर आ चुकी है। अमेरिका जैसे साधन व सुविधा संपन्न देश में एक ही दिन में दस लाख से अधिक के दर से कोरोना के नये मामले सामने आने लगे हैं। इसके विश्वव्यापी प्रसार को नियंत्रित करने हेतु पूरे विश्व की अब तक हज़ारों उड़ानें स्थगित की जा चुकी हैं। भारत में भी कोरोना व ओमीक्रोन के तेज़ी से बढ़ते प्रभाव के मद्देनज़र आवश्यकतानुसार राज्य स्तर पर अलग अलग तरह के फ़ैसले लिये जा रहे हैं। भारत में गत एक सप्ताह में लगभग तीन गुना तेज़ी से संक्रमण फैल रहा है। सरकार व प्रशासन द्वारा एक बार फिर जनता को कोरोना गाईड लाइंस का सख़्ती से पालन करने की चेतावनी दी जा रही है। इनमें वही दो गज़ की दूरी-मास्क है ज़रूरी का सबसे अधिक पाठ पढ़ाया जा रहा है। कई जगहों से तो यह ख़बरें कोरोना की प्रथम व द्वितीय लहर में भी आई थीं और फिर आने लगी हैं कि मास्क न लगाने पर आम लोगों से जुर्माना वसूला जा रहा है। परन्तु मास्क लगाने अथवा न लगाने को लेकर अभी भी आम लोगों में भ्रम बना हुआ है। तमाम लोग मास्क लगाने में असहज महसूस करते हैं। ख़ासकर सांस फूलने व दमा जैसे मर्ज़ के लोगों के लिये तो मास्क लगा पाना बिल्कुल ही संभव नहीं हो पाता। तमाम स्वस्थ लोग भी मास्क लगाने की थ्योरी को पचा नहीं पाते। यहाँ तक कि डॉक्टर्स का भी एक वर्ग ऐसा है जो मास्क लगाकर कोरोना से बचाव करने जैसी थ्योरी से सहमत नहीं है। उनका मानना है कि मास्क लगाने वाला व्यक्ति साँस द्वारा अपनी ही छोड़ी गयी कार्बन डाई ऑक्साइड का 30 से 40 प्रतिशत भाग सांस लेने के साथ वापस खींच लेता है। तो क्या यही वजह है कि हमारे देश में प्रायः प्रधानमंत्री सहित अनेक 'आदर्श पुरुष' बिना मास्क लगाये बड़े से बड़े आयोजन की शोभा बढ़ाते देखे जा सकते हैं ? पिछले दिनों शिव सेना के सांसद संजय राऊत नासिक के एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जब बिना मास्क लगाये दिखाई दिये तो मीडिया ने उनसे मास्क न लगाने की वजह पूछी। उन्होंने साफ़ तौर पर कहा कि 'मैं पी एम मोदी को फ़ॉलो करता हूँ।' राऊत ने यह भी कहा कि पी एम दूसरों से तो मास्क लगाने को कहते हैं परन्तु वे स्वयं मास्क नहीं लगाते। इस भ्रमपूर्ण स्थिति में यहाँ यह सवाल ज़रूरी है कि जब एक सांसद प्रधानमंत्री का हवाला देकर अपने मास्क न पहनने को न्यायोचित बताता हो ऐसे में केवल आम जनता को ही मास्क लगाने के लिये बाध्य करना यहाँ तक कि मास्क न लगाने वालों से जुर्माना तक वसूल करना भ्रम के साथ साथ सरकार व प्रशासन की दोहरेपन की नीति का परिणाम है या नहीं ? इसी प्रकार देश में बड़े बड़े धार्मिक सामजिक व राजनैतिक आयोजन हो रहे हैं। समुदाय विशेष तथा गाँधी को गरियाने वाले कार्यक्रमों को शायद 'अति आवश्यक' समझकर आयोजित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश,पंजाब,उत्तराखंड,गोवा व मणिपुर जैसे चुनावी राज्यों में संभवतः दस जनवरी तक चुनाव की तारीख़ भी घोषित हो जायेगी। निश्चित रूप से चुनाव तिथि घोषित होने के बाद इन राज्यों में चुनावी गहमागहमी और अधिक बढ़ जाएगी। इसीलिये जनता भ्रमित भी है और सरकार के दोहरेपन को भी देख व समझ रही है।जब विभिन्न राज्यों में कहीं रात का कर्फ़्यू लग चुका है तो कहीं वीकेन्ड कर्फ़्यू लग चुका है कहीं मॉल,शॉपिंग कॉम्प्लेक्स,बाज़ार जिम,पार्क आदि या तो बंद करवा दिए गये हैं या कहीं आंशिक रूप से बंद कराये जा रहे हैं, बच्चों की पढ़ाई व परीक्षाओं पर फिर ख़तरा मंडराने लगा है,गोवा व महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में स्कूल कॉलेज बंद कर दिये गये हैं। देश में 15 से 18 वर्ष के किशोरों का टीकाकरण शुरू हो चुका है। चुनाव आयोग चुनावी राज्यों में चुनाव पूर्व शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने के लिये प्रयासरत तो ज़रूर है। परन्तु ख़बरें यह भी हैं कि वैक्सीन की दोनों ख़ुराक अथवा एक ख़ुराक लगवाने वाले कई लोग कोरोना की ज़द में भी आ चुके और ओमीक्रॉन से भी प्रभावित हो चुके हैं । इसलिये टीकाकरण कोरोना का संपूर्ण कवच है,इस बात को लेकर भी संदेह व भ्रम बरक़रार है। इन हालात में चुनावी रैलियों,भीड़ भाड़ व सरगर्मियों को कैसे न्यायोचित व तर्क सांगत ठहराया जा सकता है ? हालांकि चुनाव आयोग के अनुसार सभी राजनैतिक दल चुनाव कराना चाहते हैं, परन्तु क्या जनता को राजनैतिक दलों की 'मंशा की भेंट' चढ़ाया जा सकता है ? प्रधानमंत्री इन दिनों चुनावी राज्यों का धुंआधार दौरा कर रहे हैं। चुनाव तिथि घोषित होने से पूर्व केंद्र व राज्य सरकारें जनता को 'चुनावी वर्ष' के तोहफ़ों से नवाज़ रही हैं। क्या कांग्रेस क्या समाजवादी तो क्या आम आदमी पार्टी सभी का ध्यान इसी ओर है कि किस तरह अपनी सभाओं रैलियों व जुलूसों में अधिक से अधिक लोगों की शिरकत सुनिश्चित कर मीडिया के द्वारा जनता को अपना बढ़ता जनाधार दिखाया जा सके। इस तरह के राजनैतिक आयोजनों पर कोई रोक टोक नहीं है। न समय सीमा,न कर्फ़्यू न मास्क न सोशल डिस्टेंसिंग,न सिनेटाइज़र। गोया सारे क़ायदे क़ानून सख़्तियाँ व प्रतिबंध सिर्फ़ आम जनता के लिये हैं नेताओं के लिये हरगिज़ नहीं ?देश में इसी भ्रम व दोहरेपन के बीच फिर एक बार फिर कोरोना की दहशत मंडराने लगी है।

सू-दोकू नवताल -2012

2	5				3			9
		6	5				7	1
1		9			8		2	
	7		3			1		
	6		9		5		3	
		4			7		8	
	2		7			9		8
9	4				6	2		
7			2				4	3

सू-दोकू -2011 का हल

3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2012

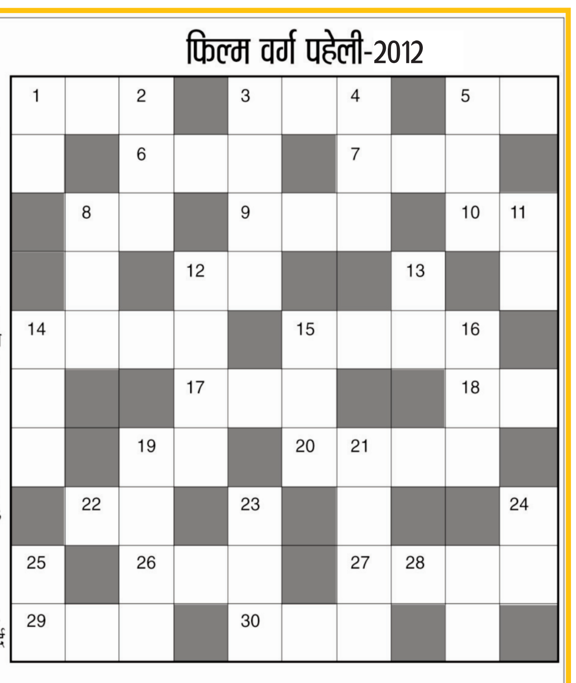

बायें से दायें:-

1. 'ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं' गीत वाली फिल्म-3
3. अमिताभ, माला सिन्हा की फिल्म-3
5. फिल्म 'संन्यासी' में मनोज कुमार के साथ नायिका कौन थी ?-2
6. गोविंदा, रवीन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-3
7. 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' गीत वाली शशि कपूर, रेखा, राखी की फिल्म-3
8 'आजा वे माही तेरा रस्ता' गीत वाली फिल्म-2
9. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-3
10. फिल्म 'रोजा' में अरविंद स्वामी की नायिका कौन थी ?-2
12. फिल्म 'हम तुम' में सैफ अली के साथ नायिका कौन थी ?-2
14. 'जो उनकी तमन्ना है बरबाद हो जा' गीत वाली संजय, साधना की फिल्म-4
15. अजय देवगन, रवीना टंडन की 'जीती थी जिसके लिए' गीतवाली फिल्म-4
17. 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-3
18. दिलीप कुमार, रेखा, अरशद वारसी, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
19. 'लड़की दीवानी देखो लड़का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
20. मनोज कुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-4
22. 'ये शाम की तन्हाइयां' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. 'तेरे इश्क का मुझ पे हुआ ये असर है' गीत वाली फिल्म-3
27. 'दुनिया का मेला मेले में लड़की' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-2,2
29. मिथुन, आदित्य पंचोली, रेखा, डिंपल, मंदाकिनी की 'हर मर्द की तीन कमजोरियां' गीत वाली फिल्म-3
30. फिल्म 'पत्थर के सनम' में वहीदा रहमान के साथ नायक कौन था ?-3

ऊपर से नीचे:-

1. अजय देवगन, आमिर खान, काजोल, जूही चावला की 'नींद चुराई मेरी' गीत वाली फिल्म-2
2. 'गुंचे लगे हैं कहने' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रंजीता की फिल्म-3
3. फिल्म 'करीब' के गीत 'चुरा लो न दिल मेरा' की गायिका-4
4. सुनील दत्त, साधना की 'मैंने देखा था सपनों में' गीत वाली फिल्म-3
5. 'चाहे पंडित हो चाहे काजी हो' गीत वाली कमल हासन, शाहरुख खान, रानी की फिल्म-1,2
8. सनी देओल, तब्बू, शिल्पा शेट्टी की 'साथिया बिन तेरे दिल' गीत वाली फिल्म-3
11. मिथुन चक्रवर्ती, रंजीता, राखी की दुलाल गुहा निर्देशित एक सस्पेंस फिल्म-2
12. 'तेरा चेहरा ना देखूं अगर' गीत वाली जैकी श्रॉफ , दीप्ति भटनागर, मनीषा कोइराला की फिल्म-4
13. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिंपल कपाड़िया की 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली फिल्म-2
14. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षय कुमार, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
15. फिल्म 'जोगन' में नर्गिस के साथ नायक कौन-3
16. विनोद खन्ना, डिंपल की 'झूठे नैना बोले सांची बतियां' गीत वाली फिल्म-3
19. 'न झटको जुल्फसे पानी' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री अभिनीत फिल्म-4
21. बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की 'दिल ने कर लिया ऐतबार' गीत वाली फिल्म-4
23. 'खुदा करे मोहब्बत में' गीत वाली फिल्म-3
24. 'और क्या अहद-ए-वफा होते हैं' गीत वाली सनी देओल, अमृता सिंह की फिल्म-2
25. मनोज वाजपेयी, रवीना टंडन की 'भैया मेरे पापा को गुस्सा' गीत वाली फिल्म-2
28. 'तू मोरनी जंगल की' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, मंदाकिनी, रेखा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2011

बॉ	बी	■	बा	■	फा	गु	न	■	सा
र्ड	■	ते	जा	ब	■	ड्डी	■	क्रो	ध
र	वि	■	र	च	ना	■	कै	■	ना
■	दा	ग	■	प	■	जा	न	म	■
भा	ई	■	ध	न	वा	न	■	म	र्द
भी	■	क	र्म	■	सु	■	दा	ता	■
■	गै	■	वी	रू	■	सौ	दा	■	दो
आ	र	पा	र	■	■	दा	■	म	स्त
वा	■	कि	■	चि	श	ग	■	हि	■
श	म	जा	ने	■	■	र	ह	मा	न

विस्तार एयरलाइन से मात्र 977 में करें हवाई यात्रा

मुंबई ।

रतन टाटा की एविएशन कंपनी विस्तार एयरलाइन 1000 रुपए से कम में हवाई यात्रा करने का मौका दे रही है। विस्तारा ने 48 घंटों की स्पेशल सेल ऑफर की है। यह सेल गुरुवार से शुरू हो गई है। वास्तव में कंपनी 7वीं एनिवर्सरी सेलिब्रेट कर रही है। जिसकी वजह से यह सेल ऑफर की गई है। गौरतलब है कि विस्तारा एयरलाइन, टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड और एसआईए का जॉइंट एंटिटी है। कंपनी ने डॉमेस्टिक और इंटरनेशनल नेटवर्क पर स्पेशल फेयर की घोषणा की है। घरेलू हवाई उड़ान का किराया इकोनॉमी क्लास के लिए 977 से शुरू होकर 2677 रुपए तक है। प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास के लिए यह किराया 9777 रुपए है। अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए भी कंपनी ने नए किराए की घोषणा की गई है। यह स्पेशल ऑफर इस वर्ष 30 सितंबर तक यात्रा के लिए है। इस ऑफर का लाभ लेने के लिए टिकट की बुकिंग विस्तारा की वेबसाइट, आईओएस और एंड्रॉइड मोबाइल ऐप, विस्तारा के एयरपोर्ट टिकट ऑफिस, कॉल सेंटर के माध्यम से, ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों और ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से की जा सकती है।

डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे टूटा

मुंबई ।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व सिस्टम की बैठक से मिले संकेतों और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने के चलते भारतीय मुद्रा शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले छह पैसे की गिरावट के साथ 74.44 पर आ गई। फेडरल रिजर्व सिस्टम की बैठक के ब्यौरों से निवेशकों को संकेत मिले कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को कम करने के लिए ब्याज दरों को बढ़ा सकता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इस वजह से घरेलू बाजार से निकासी हो सकती है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की नीतिगत बैठक 14-15 दिसंबर को हुई थी। इसे देखते हुए नीति निर्माताओं का मानना है कि अमेरिकी रोजगार बाजार मजबूत है और बेहद कम ब्याज दरों की अब आवश्यकता नहीं है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.44 पर कमजोर खुला, जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दर्शाता है। शुरुआती सौदों में रुपया 74.34 पर कारोबार कर रहा था। बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 20 पैसे की तेजी के साथ 74.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 96.19 पर था।

जेएसएल ने 2,000 टन स्टेनलेस स्टील की आपूर्ति की

मुंबई ।

JSL
JINDAL STAINLESS

जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने कहा कि कानपुर मेट्रो परियोजना के लिए कंपनी ने 2,000 टन स्टील की आपूर्ति की।परियोजना का उद्घाटन पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।28 दिसंबर को मोदी ने कानपुर मेट्रो रेल परियोजना का निरीक्षण कर आईआईटी मेट्रो स्टेशन से गीता नगर तक मेट्रो की सवारी भी की थी। कंपनी ने कहा, प्रधानमंत्री ने यूपी मेट्रो रेल निगम की कानपुर मेट्रो परियोजना के नौ किलोमीटर लंबे हिस्से का हाल में उद्घाटन किया था। जेएसएल ने परियोजना के लिए 2,000 टन स्टेनलेस स्टील की आपूर्ति की।कंपनी ने कहा कि दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और चेन्नई मेट्रो परियोजनाओं के अलावा सिडनी और क्विंसलैंड मेट्रो परियोजनाओं के लिए भी स्टेनलेस स्टील की आपूर्ति कर चुकी है।

मार्च, 2019 के बाद डीमैट खातों की संख्या दोगुना हुईः सेबी प्रमुख

मुंबई (एजेंसी) ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन अजय त्यागी ने कहा कि बाजार और ब्रोकरेज कंपनियों ने पिछले दो दशकों में जो चीजें हासिल की थीं, उसे अब महज दो वर्ष में ही प्राप्त कर लिया गया है। यह बात डीमैट खातों की संख्या से पता चलती है, जो नवंबर, 2021 की स्थिति के अनुसार 7.7 करोड़ पर पहुंच गई है। मार्च, 2019 में डीमैट खातों की संख्या 3.6 करोड़ थी। कोरोना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण घर से काम शुरू होने के साथ लाखों की संख्या में युवाओं ने निवेशक के तौर पर बाजार में कदम रखा है। ब्रोकरेज कंपनियों ने उस समय से अब तक करीब 10 लाख डीमैट खाते खोले। इसमें 75 प्रतिशत निवेशक 30 साल से कम उम्र के हैं। त्यागी ने कहा` कि वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप हमने भी पूंजी बाजार में कदम रखने वाले व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। वित्त वर्ष 2019-20 से हर महीने औसतन 4 लाख नये डीमैट खाते खोले गए। यह 2021 में तीन गुना बढ़कर 20 लाख प्रति माह हो गया और नवंबर, 2021 में बढ़कर लगभग 29 लाख प्रति माह हो गया। यह वित्त वर्ष 2019-20 यानी कोविड-पूर्व स्तर के मुकाबले सात गुना से भी अधिक है। उन्होंने कहा` कि वास्तव में संचयी रूप से डीमैट खातों की संख्या नवंबर, 2021 में बढ़कर 7.7 करोड़ पहुंच गई, जो मार्च, 2019 में 3.6 करोड़ थी। वास्तव में जो चीजें दो दशक से अधिक समय में हासिल की गई थीं, उसे करीब ढाई साल में ही प्राप्त कर लिया गया।

इलेक्ट्रिक पॉवर ट्रेन के विनिर्माण के लिए ओएसएम ने जे संग टेक से किया करार

मुंबई (एजेंसी) ।

इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी ओमेगा सेकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने भारत में इलेक्ट्रिक पॉवर ट्रेन के विनिर्माण के लिए कोरिया की इलेक्ट्रिक पॉवर ट्रेन निर्माता कंपनी जे संग टेक के साथ रणनीतिक साझेदारी की गुरुवार को घोषणा की। ओमेगा सेकी ने कहा कि पॉवर ट्रेन के स्थानीय स्तर पर विनिर्माण के लिए जे संग की ओर से प्रौद्योगिकी दी जाएगी और ओएसएम विनिर्माण सुविधा देगा। यह संयुक्त उपक्रम अपना पहला उत्पाद आरए314, अप्रैल 2022 से शुरू हो रहे वित्त वर्ष की पहली तिमाही में लेकर आएगा। इस उत्पाद का विनिर्माण ओएसएम के फरीदाबाद स्थित संयंत्र में और समूह की कंपनी ओमेगा ब्राइट स्टील ऐंड कंपोनेंट्स के पुणे संयंत्र में किया जाएगा। ओमेगा सेकी मोबिलिटी के संस्थापक और चेयरमैन उदय नारंग ने कहा, ''हम भारत के अन्य इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं की जरूरत के अनुसार उन्हें ऊर्जा संबंधी समाधान देंगे और इस तरह भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने में मदद देंगे।

बिजली क्षेत्र के सीपीएसई का पूंजीगत व्यय 47 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिजली मंत्रालय ने कहा कि उसके अंतर्गत आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) ने अप्रैल-दिसंबर 2021 के बीच 40,395.34 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय किया है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के मुकाबले 47 प्रतिशत अधिक है। विद्युत मंत्रालय ने कहा` कि विद्युत मंत्रालय के तहत आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने वित्त वर्ष 2021-22 में दिसंबर माह तक 40,395.34 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय किया। यह वित्त वर्ष 2020-21 में इसी अवधि के दौरान किए गए व्यय के मुकाबले 47 फीसदी अधिक है। इसमें कहा गया कि मंत्रालय का पूंजीगत व्यय संबंधी प्रदर्शन पिछले वर्ष के मुकाबले कहीं बेहतर है। मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के पूंजीगत व्यय के लक्ष्य 50,690.52 करोड़ रुपए में से 80 फीसदी इन उपक्रमों ने सामूहिक रूप से हासिल कर लिया है। विद्युत क्षेत्र के सीपीएसई में सबसे अच्छा प्रदर्शन पॉवरग्रिड (90.6 फीसदी), एसजेवीएन (90.19 फीसदी), एनटीपीसी (86.5 फीसदी) और टीएचडीसी (85.38 फीसदी) का रहा। विद्युत मंत्रालय ने ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं पर पूंजीगत व्यय की रफ्तार बढ़ाने पर विशेष जोर दिया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी) ।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट आई है। इसी के साथ ही पिछले तीन कारोबारी दिनों की तेजी पर भी ब्रेक लग गया है। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस के शेयर बाजारों में बिकवाली हावी रहने से आई है। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के बाद ब्याज दर में वृद्धि के संकेतों से दुनिया भर के बाजारों में गिरावट आई है जिसका नकारात्मक प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 621.31 अंक करीब 1.03 फीसदी की गिरावट के साथ ही 59,601.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 179.35 अंक तकरीबन एक फीसदी नीचे आकर 17,745.90 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.5 फीसदी से अधिक की गिरावट टेक महिंद्रा के शेयरों में रही। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, एचडीएफसी, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक और टीसीएस के शेयर भी नीचे आये हैं। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, मारुति, टाइटन और बजाज फाइनेंस के शेयर ऊपर आये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने से घरेलू बाजार से पूंजी की निकासी हो सकती है जिससे बाजार धारणा पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

HINDALCO +0.7%
+0.70

टीवीएस ने दिखाई बाइक,स्कूटर और थ्री-व्हीलर की बिक्री में कमी

-दिसंबर 2021 में एक्सपोर्ट में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रख्यात कंपनी टीवीएस मोटर ने मोटरसाइकल, स्कूटर और थ्री-व्हीलर्स की बिक्री में सालाना 7.77 फीसदी की कमी दिखाई है। वहीं दिसंबर 2021 में कंपनी ने एक्सपोर्ट में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी दिखाई है। कंपनी ने अपनी दिसंबर 2021 सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। बीते साल के आखिरी महीने में कंपनी ने 2,20,933 मोटरसाइकल, स्कूटर, मोपेड और थ्री-व्हीलर्स बेचे, जिनमें एक्सोर्ट भी शामिल है। टीवीएस मोटर कंपनी के लिए साल 2021 ठीक-ठाक रहा और कंपनी ने इंडिया में अपनी बेस्ट सेलिंग बाइक और स्कूटर के अपडेटेड मॉडल के साथ ही कई नए मॉडल लॉन्च किए और उनकी अच्छी बिक्री भी हुई।दिसंबर 2021 सेल्स रिपोर्ट देखें तो टीवीएस मोटर कंपनी ने 2021 के आखिरी महीने में 1,19,051 मोटरसाइकल बेचे। इसी अवधि में कंपनी ने कुल 67,553 स्कूटर बेचे। वहीं मोपेड की कुल 48,788 यूनिट बिकी। इस तरह डोमेस्टिक मार्केट में टीवीएस मोटर कंपनी की कुल 1,46,763 यूनिट दिसंबर 2021 में बिकी और कुल 88,629 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। टू-व्हीलर के कुल आंकड़े 2,35,392 रहे। वहीं थ्री-व्हीलर्स की बात करें तो डोमेस्टिक मार्केट में टीवीएस कंपनी ने 750 यूनिट बेची और कुल 14,791 यूनिट एक्सपोर्ट की। इस तरह टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर की डोमेस्टिक मार्केट में बिक्री के साथ ही एक्सपोर्ट की कुल संख्या दिसंबर 2021 में 2,50,933 रही। बता दें कि टीवीएस भारत में अपाचे सीरीज की अलग-अलग बाइक्स के साथ ही टीवीएस जुपिटर सीरीज के स्कूटर की खूब बिक्री करती है। साल 2021 के आंकड़े देखें तो कंपनी ने जनवरी से दिसंबर के दौरान कुल 21 लाख से ज्यादा टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर बेचे और साल 2020 के मुकाबले ज्यादा मोटरसाइकल, स्कूटर, मोपेड और थ्री-व्हीलर डोमेस्टिक मार्केट में बेचने के साथ ही एक्सपोर्ट भी किए गए। दिसंबर 2020 के मुकाबले दिसंबर 2021 में कंपनी के मोटरसाइकल और स्कूटर की डोमेस्टिक मार्केट सेल में गिरावट देखने को मिली है, वहीं एक्सपोर्ट में जरूर बढ़ोतरी हुई है। मंथली सेल में भी नवंबर के मुकाबले दिसंबर 2021 में कमी देखी गई है। हालांकि, टीवीएस की मोपेड की बिक्री जरूर बढ़ी है।

वोल्ट्रिक्स मोबिलिटी ने ई-साइकिल 'ट्रेसर' उतारी, कीमत 55,999 रुपये

चेन्नई ।

चेन्नई स्थित वोल्ट्रिक्स मोबिलिटी ने इलेक्ट्रॉनिक साइकिल बाजार में कदम रखा है। कंपनी ने शहरी खंड के लिए रोजाना इस्तेमाल वाली ई–साइकिल 'ट्रेसर पेश की है।साइकल की शुरुआती कीमत 55,999 रुपये है। कंपनी अपने अन्य खंडों को पूरा करने के लिए अगले छह माह में दो और उत्पादों को पेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने 2024 तक चार से पांच प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल करेगी है। वोल्ट्रिक्स मोबिलिटी ने कहा कि ई–साइकिल में 250 वॉट की मोटर के साथ लगाने और हटाने योग्य लिथियम–आयन बैटरी दी गई है।साइकिल एक बार चार्ज होने के बाद अधिकतम 25 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से 60 से 80 किलोमीटर तक चल सकती है।साथ ही साइकिल में पारंपरिक पैडल भी दिया गया है।साइकिल की बुकिंग 999 रुपये के भुगतान के साथ की जा सकती है। इसकी आपूर्ति इस महीने के तीसरे सप्ताह में शुरू होगी।

कोरोना की तीसरी लहर आते ही बढ़ी ऑनलाइन शॉपिंग!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना की तीसरी लहर ने देश में दस्तक दे दी है। तमाम राज्यों ने नाइट कर्फ्यू से लेकर बाकी हर तरह के उपाय भी करने शुरू कर दिए हैं। दिल्ली में तो वीकेंड कर्फ्यू तक लगाया जाने लगा है। जगह-जगह कई तरह के प्रतिबंध लगने लगे हैं। ऐसे में लोगों ने भी एहतियात के तौर पर एक बार फिर से घरों से बाहर निकलना कम कर दिया है और तमाम सामान ऑनलाइन ही ऑर्डर किए जा रहे हैं। पिछले 7 दिनों में पैकेज्ड फूड, साबुन और हाइजीन समेत तमाम तरह के प्रोडक्ट्स की ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म सेल में एक तेजी देखने को मिली है। ग्राहकों की तरफ से तमाम सामान मंगाकर आने वाले दिनों के लिए रखने की वजह से भी सेल्स में तेजी आई है। चॉकलेट और बेवरेजेज की सेल्स में करीब दोगुनी तेजी आई है, जबकि तमाम कैटेगरीज में लगभग 10-15 फीसदी तक का उछाल देखने को मिला है। कंपनियों का कहना है कि वह बढ़ी हुई मांग से निपटने के लिए तैयार हैं। पार्ले प्रोडक्ट्स के सीनियर कैटेगरी हेड मयंक शाह कहते हैं कि हफ्ते दर हफ्ते के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर सेल्स में करीब 15 फीसदी की तेजी आई है। वह बोले कि यह तब तक जारी रहने की उम्मीद है, जब तक कोरोना की तीसरी लहर जारी रहेगी।

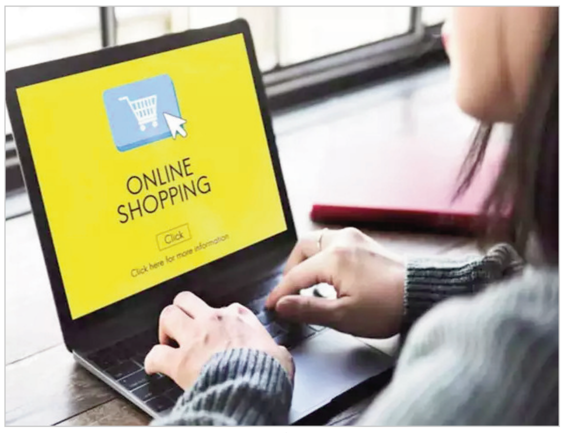
ONLINE SHOPPING
Click
Click here for more information

ऑनलाइन ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट के प्रवक्ता ने कहा है कि पैकेज्ड फूड और हाइजीन प्रोडक्ट्स की सेल्स पिछले एक हफ्ते में दोगुनी हो गई है।

एन95 मास्क की सेल्स में करीब 5 गुना की तेजी आई है। जिन कंपनियों ने कोरोना की दूसरी लहर के बाद मांग कम होने पर मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई में कटौती की थी, वह एक बार फिर से मांग से निपटने के लिए मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई को बढ़ा रही हैं।

नए साल में रिलायंस ने डॉलर बॉन्ड्स से जुटाए चार अरब डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

एशिया के प्रमुख रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बॉन्ड्स के जरिए चार अरब डॉलर जुटाए हैं। रॉयटर्स के मुताबिक कंपनी ने तीन किस्तों में यूएस डॉलर बॉन्ड जारी करके यह राशि जुटाई है। कंपनी ने 10 साल, 30 साल और 40 साल की डील के बॉन्ड जारी किए। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 10 साल की अवधि वाले बॉन्ड्स से 1.5 अरब डॉलर, 30 साल की अवधि वाले बॉन्ड्स से 1.75 अरब डॉलर और 40 साल की डील वाले बॉन्ड्स से 75 अरब डॉलर जुटाए। टर्म शीट के मुताबिक इस राशि में से कुछ हिस्सा 1.5 अरब डॉलर के कर्ज के रिफाइनेंस के लिए किया जाएगा। यह फरवरी में मैच्योर हो रहा है। रिलायंस ने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इस बीच रिलायंस जियो ने अब तक की सबसे बड़ी रुपए बॉन्ड बिक्री की योजना बना रही है। इसके जरिए कंपनी अपनी वित्तीय देनदारी को कम करेगी।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी 6.2 फीसदी के कूपन पर पांच साल में मैच्योर होने वाले 5,000 करोड़ रुपए के नोटों के लिए कमिटमेंट मांग रही है। जियो ने इससे पहले आखिरी बार जुलाई 2018 में स्थानीय-मुद्रा बांड बाजार से पैसा जुटाया था। रिलायंस जियो 5जी नेटवर्क लॉन्च करने की तैयारियों में जुटी है।

शाओमी इंडिया को सीमा शुल्क चोरी के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी

मुंबई (एजेंसी)।

शाओमी टेक्नॉलाजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (शाओमी इंडिया) को सरकार ने 653 करोड़ रुपए की सीमा शुल्क चोरी को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी कर यह राशि वसूली की प्रक्रिया शुरू की है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि शाओमी इंडिया द्वारा सीमा शुल्क चोरी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद राजस्व सतकर्ता निदेशालय ने इसकी जांच शुरू की। शाओमी इंडिया और उसके ठेका विनिर्माताओं की जांच की गई। इस दौरान शोओमी इंडिया के परिसरों पर निदेशालय ने छापेमारी भी की और इस संबंध में साक्ष्य भी जुटाये गये जिसमें अमेरिकी कंपनी क्वॉलकॉम और चीन की बीजिंग शाओमी मोबाइल सॉफ्टवेयर कंपनी लिमिटेड को रॉयल्टी और लाइसेंस शुल्क आदि भुगतान किए जाने की जानकारी मिली। इस दौरान शाओमी इंडिया के प्रमुख लोगों और उसके ठेका विनिर्माताओं के बयान भी लिए गए जिसमें शाओमी इंडिया के एक निदेशक ने रॉयल्टी और लाइसेंस शुल्क आदि के भुगतान किए जाने की बात की भी पुष्टि की। जांच के दौरान यह पता चला कि क्वॉलकॉम और चीन की बीजिंग शाओमी मोबाइल सॉफ्टवेयर को चुकाए गए रॉयल्टी और लाइसेंस शुल्क को शाओमी इंडिया और उसके ठेका विनिर्माताओं द्वारा आयात किए गए वस्तुओं के लेनदेन में नहीं जोड़ा गया।

निदेशालय को यह भी पता चला कि शाओमी इंडिया मी ब्रांड के मोबाइल फोन की बिक्री भी करती है जिस आयात शाओमी इंडिया करती है या उसके ठेका विनिर्माता आयातित उपकरणों आदि को यहां असेबंल करते हैं। ठेका विनिर्माताओं द्वारा निर्मित मी ब्रांड के फोन को सिर्फ शाओमी इंडिया को ही बेचा जाता है जैसा उनके ठेका अनुबंध में है।

कमजोर वर्गों के लिए भी कोविड की सस्ती दवा लाएगी फाइजर

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

Pfizer
COVID-19 Coronavirus Vaccine
COVID-19 Coronavirus Vaccine

जल्द ही अमेरिका की फार्मा कंपनी फाइजर आर्थिक रूप से कमजोर देशों के लिए कोरोना की सस्ती दवा लाने की योजना बना रही है। कंपनी की तरफ से यह सस्ती दवा भारत को भी दी जाएगी। अभी इस दवा को लॉन्च करने में देरी हो रही है, जिसकी वजह से फिलहाल एक अंतरिम उपाय के तौर पर कोविड एंटीवायरल ड्रग पैक्सलोविड को आर्थिक रूप से कमजोर देशों को दिया जा रहा है। पिछले ही हफ्ते कोविड एंटीवायरल ड्रग मोलनुपिराविर के जेनेरिक वर्जन को भारत में मंजूरी मिली है। इसके पूरे कोर्स के लिए व्यक्ति को करीब 1400 रुपए खर्च करने होंगे, जो अभी के हिसाब से सबसे किफायती दवा है। भारत समेत कई देशों के साथ पैक्सलोविड को लेकर बात चल रही है। कई देशों के साथ तो कंपनी ने एडवांस पर्चेस एग्रीमेंट भी कर लिया है। हालांकि, अभी तक फाइजर ने भारत में इसके इमर्जेंसी इस्तेमाल की मंजूरी के लिए आवेदन नहीं किया है। ओमिक्रोन की वजह से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और फाइजर की पैक्सलोविड दवा तमाम वैरिएंट्स पर काफी प्रभावी है। इसे अमेरिका और यूके समेत की देशों में इमर्जेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित मेडिसिंस पेटेंट पूल ने नवंबर में फाइजर के साथ एक लाइसेंस एग्रीमेंट किया था, जिसके तहत फाइजर कंपनी को पैक्सलोविड के लिए सब-लाइसेंस देने की इजाजत मिली है।

यह दवा भारत समेत 95 कम और मध्यम आय वाले देशों को भेजी जाएगी। फाइजर के प्रवक्ता ने कहा है कि जिन सस्ती दवाओं पर काम चल रहा है, अभी वह इस साल नहीं आ सकेंगी, इसी के तहत कंपनी कम और मध्य आय वाले देशों के अंतरिम विकल्प के तौर पर सस्ते में यह दवा दे रही है। भारत की जिन दवा निर्माता कंपनियों ने फाइजर की एंटी वायरल दवा के सब-लाइसेंस के लिए आवेदन किया है, उनके अधिकारियों का कहना है कि दवा बनाने की प्रक्रिया अभी चल रही है।

एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि अगर सब-लाइसेंस बहुत जल्दी भी मिल जाता है तो हम सिर्फ दो महीने में ये दवा बनाकर उसके इमर्जेंसी इस्तेमाल की मंजूरी नहीं ले पाएंगे।

द्रविड ने विराट को थ्रो-डाउन का अभ्यास कराया

जोहान्सबर्ग । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली फिट नहीं होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हैं। विराट पीठ की जकड़न के कारण इस मैच से बाहर हैं। उनकी पीठ के ऊपरी हिस्से में जकड़न हैं हालांकि उनके तीसरे टेस्ट तक फिट होने की उम्मीदें हैं। वहीं इस बीच एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ विराट कोहली को थ्रो डाउन का अभ्यास कराते नजर आ रहे हैं। वहीं टीम इंडिया के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी कहा कि कोहली की फिटनेस बेहतर हो रही है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जोहान्सबर्ग टेस्ट की बात करें तो यह रोमांचक हाल में पहुंच गया है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए अभी भी 122 रन बनाने हैं जबकि उसके पास आठ विकेट हैं। मेजबान टीम ने जीत के लिए मिले 240 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट खोकर 118 रन बना लिए थे। कप्तान डीन एल्गर 46 रन बनाकर नाबाद हैं जिससे टीम को जीत दर्ज करने की उम्मीद हैं।

हालात नियंत्रण में आते ही घरेलू टूर्नामेंटों को आयोजित किया जाएगा : गांगुली

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सभी राज्य इकाईयों को लिखा है कि कोविड-19 के हालात नियंत्रण में आते ही घरेलू क्रिकेट कार्यक्रमों को शुरु किया जाएगा। गांगुली ने कहा कि देश भर में कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण बीसीसीआई मजबूरन रणजी ट्राफी कुछ बड़े टूर्नामेंट को स्थगित करना पड़ा है। रणजी ट्राफी इस महीने के अंत में शुरू होनी थी। गांगुली ने राज्य संघों को लिखे एक पत्र में कहा, ''आप इस बात को जानते ही हैं कि हमें कोविड-19 हालात के खराब होने के कारण हमें मौजूदा घरेलू सत्र को रोकना पड़ा है। '' रणजी ट्राफी और सीके नायुडू ट्राफी इस महीने शुरू होनी थी जबकि सीनियर महिला टी20 लीग फरवरी में होनी थी। गांगुली ने सभी राज्य इकाईयों के अध्यक्षों और सचिवों को लिखा, ''कोविड-19 मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कई टीमों में कई पॉजिटिव मामले सामने आये। इससे खिलाड़ियों, अधिकारियों और टूर्नामेंट को चलाने से संबंधित अन्य लोगों के स्वास्थ्य के लिये खतरा पैदा हो गया था , इसी कारण इन्हें स्थगित किया गया है। '' गांगुली ने कहा कि घरेलू सत्र को दोबारा शुरू करने के लिये बोर्ड अपनी ओर से सभी प्रयास करेगा। उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई आश्वस्त करना चाहेगा कि जैसे ही कोविड-19 हालात नियंत्रण में आते हैं, बोर्ड घरेलू सत्र को दोबारा शुरू करने के लिये सबकुछ करेगा। '' गांगुली ने कहा, ''हम इस सत्र के बचे हुए टूर्नामेंट आयोजित करने के लिये पूरी तरस से प्रतिबद्ध हैं। इसी लिए बोर्ड संशोधित योजना के साथ जल्द ही आपके पास वापस आयेगा।'' उन्होंने साथ ही सभी के सहयोग के लिए आभार भी प्रकट किया है।

मुक्केबाजी में कमाई के मामले में शीर्ष पर हैं मेवेदर

लंदन (एजेंसी)।

मुक्केबाजी में फ्लायड मेवेदर अभी भी कमाई के मामले में नंबर एक स्थान पर हैं। मेवेदर की कमाई 400 मिलियन पाऊंड है जोकि दूसरे स्थान पर कायम जॉर्ज से फोरमैन से करीब दो गुणा ज्यादा है। वहीं तीसरे स्थान मैनी पिकाकियो है। वहीं टायसन फरी 100 मिलियन का आंकड़ा हासिल करने वाले सातवे मुक्केबाज हैं। हाल के दिनों में फरी और एंथनी जोशुआ तेजी से आगे बढ़े हैं पर इसके बाद भी ये दोनो अभी अन्य मुक्केबाजों से कहीं पीछे हैं।

कमाई में सबसे धनी मुक्केबाज हैं

मुक्केबाज

(कमाई पाउंड में)

- 1 फ्लायड मेवेदर (400 मिलियन)
- 2 जॉर्ज फोरमैन (222 मिलियन)
- 3 मैनी पिकाकियो (163 मिलियन)
- 4 ऑस्कर डी ला होया (148 मिलियन)
- 5 कानैलो एल्वरेज (105 मिलियन)
- 6 लीनॉक्स लेविस (103 मिलियन)
- 7 टायसन फरी (100 मिलियन)
- 8 शुगर रे लियोनार्ड (88 मिलियन)
- 9 एंथनी जोशुआ (60 मिलियन)
- 10 व्लादिमीर क्लिट्स्को (58 मिलियन)

एडीलेड के सेमीफाइनल में पहुंचे सानिया और नाडिया

एडीलेड (एजेंसी)।

भारत की महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनकी जोड़दार उक्रेन की नाडिया किचेनोक एडीलेड इंटरनेशनल डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के महिला युगल के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। सानिया और नाडिया ने क्वार्टर फाइनल में हुए एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में अमेरिका की शेल्बी रोजर्स और ब्रिटेन की हीथर वाटसन को 6-0 1-6 10-5 से हराया। यह मुकाबला करीब 55 मिनट तक चला। अब सानिया-नाडिया की जोड़ी का मुकाबला सेमीफाइनल में एशले बार्टी और स्टोर्म सैंडर्स की जोड़ी से होगा। सानिया और नाडिया ने अपने पहले दौर के मुकाबले में गैब्रिएला दाब्रोवस्की और गियूलियाना ओल्मोस की जोड़ी को 1-6 6-3 10-8 से हराया था। एडीलेड टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले अपनी तैयारियों के आंकलन का भी अवसर मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 17 जनवरी से शुरु होगा।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित

जेमिमा, शिखा को नहीं मिली जगह

मुम्बई (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड में चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले आईसीसी एकदिवसीय महिला विश्व कप क्रिकेट के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। इस टीम की कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज मिताली राज करेंगी जबकि हरमनप्रीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में स्मृति मंधाना, झूलन गोस्वामी और युवा शेफाली वर्मा को भी शामिल किया गया है पर हैरानी की बात है कि आक्रामक बल्लेबाज जेमिमा रौड्रिगेज और शिखा पांडे को टीम में जगह नहीं मिली है। इन दोनो के बाहर होने का कारण खराब फॉर्म बताया गया है। जेमिमा पिछले साल एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा स्कोर नहीं बना पायी हैं। वहीं ऑलराउंडर शिखा भी गेंदबाजी और बल्लेबाजी में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। एकदिवसीय विश्व कप से पहले भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ से 24 फरवरी तक सीमित ओवरों की एक श्रृंखला भी खेलेगी इसमें एक टी20 और पांच एकदिवसीय मैच होंगे। इस सीरीज में कप्तानी हरमनप्रीत करेंगी।

आईसीसी महिला विश्व कप 2022 और न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष , स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंह, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव।

स्टैंडबाय : एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टी20 टीम :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना,शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा, पूजा वस्त्राकर, मेधना सिंह, रेणुका सिंह ठाकुर, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

संक्षिप्त समाचार

जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया ओपन के लिए प्रवेश नहीं दिये जाने को नडाल ने सही बताया

ब्रिसबेन **(एजेंसी)।**

सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया ओपन के लिए देश में प्रवेश न दिये जाने पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आयीं हैं। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के अनुसार जोकोविच कोविड़-19 टीकाकरण नियमों में राहत के लिए जरूरी दस्तावेज पेश नहीं कर पाये थे। इसलिए उनका वीजा रद्द कर दिया गया। वहीं इस प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्पेन के खिलाड़ी रफेल नडाल ने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने के कारण ही आज दुनिया भर में कोरोना संक्रमण फैला है। इसलिए यहां राहत का सवाल ही नहीं है। वहीं विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी रुस के दानिल मेदवेदेव कि यदि जोकोविच का पक्ष सही था तो उन्हें ऑस्ट्रेलियाई ओपन में होना चाहिये पर अगर नहीं तो उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाना सही है। ऑस्ट्रेलिया ओपन के पूर्व टूर्नामेंट निदेशक पॉल मैकनामी कि उसने नियमों के अनुसार खेला है ओर उसके प्रवेश दिया जाना चाहिये था। दूसरी ओर इस मामले में सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच ने ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों की आलोचना करते हुए कहा है कि सर्बिया इस स्टार खिलाड़ी के साथ है। साथ ही कहा कि विश्व के शीर्ष खिलाड़ी के साथ इस प्रकार का व्यवहार नहीं होना चाहिये। उसे तत्काल प्रवेश दिलाने के लिए वह अपनी ओर से सभी प्रयास करेंगे। वहीं उक्रेन के टेनिस खिलाड़ी सर्जी शखोवस्की ने कहा है कि राजनीतिक अहंकार की वजह से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को ऐसे देश में प्रवेश नहीं दिया गया जहां सरकारी संस्थानों को प्रवेश मिल रहा था। अब राजनेतओं के इशारे पर उसे रोका जाना गलत है।

बीबीएल मैच जारी रहेंगे : सीए

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि कोरोना के नये संस्करण ओमीक्राम के बढ़ते हुए मामलों के बाद भी घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले स्थगित नहीं होंगे। सीए ने इसके लिए एक सुरक्षित तरीका निकाला है। उसने कहा है कि सभी मैच मेलबर्न में रखे जाएंगे जिससे कोई परेशानी न आये। सीए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा है कि सभी 8 टीमों को मेलबर्न में ही बायो बबल में रखा जाएगा, जिससे आयोजकों को आगे कोरोना संक्रमण के कारण अगर कोई मैच मैच स्थगित होता है तो उसे नये कार्यक्रम के अनुसार कराने में परेशानी नहीं होगी। गौरतलब है कि बीबीएल की आठों टीमों में कोरोना संक्रमण के कई मामले पाये गए हैं जिससे अब तक कई मैच स्थगित हुए हैं। हॉकले ने कहा कि यह अभूतपूर्व संकट का समय है। हम धीरे धीरे टीमों को मेलबर्न लेकर आ रहे हैं। इससे मैचों के आयोजन में आसानी भी रहेगी। गौरतलब है कि गत दिनों मेलबर्न स्टार्स के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल भी संक्रमित हुए थे। वह संक्रमित होने वाले इस क्लब के 13वें सदस्य हैं। इसी कारण बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स कोविड-19 मामले की रिपोर्ट करने वाला पांचवा क्लब बन गया है। मेलबर्न स्टार्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के अलावा तीन अन्य बीबीएल टीमों ने भी कोविड-19 मामले पाये जाने की बात कही है। इसी कारण सिडनी सिक्सर्स और ब्रिस्बेन हीट का मैच भी स्थगित हो गया था।

ख्वाजा ने वापसी पर लगाया शतक , ऑस्ट्रेलिया ने 416 रनों पर घोषित की पारी

सिडनी (एजेंसी)।

उस्मान ख्वाजा के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में जारी एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 416 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए मेहमान टीम इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक बिना विकेट खोये अपनी पहली पारी में 13 रन बना लिए थे। हसीब हमीद 2 और जैक क्राउली 2 रनों पर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दो साल बाद वापसी करते हुए बल्लेबाज ख्वाजा ने 137 रन की अच्छी पारी खेली। इसी के साथ ख्वाजा ने अपने करियर का 9वां और सिडनी में दूसरा शतक लगाया है। ख्वाजा के अलावा अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भी 67 रन बनाए हैं। मेजबान टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों मिचेल स्टार्क ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंद में 34 रन बनाए। उन्होंने ख्वाजा के साथ 8वें विकेट के लिए 67 रन बनाये। इससे पहले सुबह ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन के तीन विकेट पर 126 रनों से आगे खेलते हुए मेहमान टीम इंग्लैंड के गेंदबाजों को जमकर पीटा। ख्वाजा और स्मिथ की जोड़ी ने चौथे विकेट के लिए 263 गेंद में 115 रन बनाये। इसी दौरान स्मिथ ने अपना अर्धशतक पूरा किया। 232 रन के स्कोर पर स्टुअर्ट ब्रॉड ने स्मिथ को पेवेलियन भेजकर दिन का पहला विकेट लिया। वहीं ख्वाजा दूसरे छोर से जमे रहे और उन्होंने अपना शतक लगाया। ख्वाजा ने पहले एलेक्स कैरी के साथ 43 और फिर पैट कमिंस के साथ 46 रन की साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उस्मान को 393 रन के स्कोर पर स्टुअर्ट ब्रॉड ने बोल्ड कर दिया, इस प्रकार आठवां विकेट गिरा। ख्वाजा के बाद उतरे नाथन लायन और मिचेल स्टार्क ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 400 के ऊपर पहुंचाया। इसके बाद कप्तान पैट कमिंस ने 416 पर पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड की ओर से स्टुअर्ट ब्रॉड ने सबसे अधिक 5 विकेट लिए। ब्रॉड के अलावा जेम्स एंडरस, मार्क वुड और जो रूट ने भी एक-एक विकेट लिया।

विराट अब पहले से बेहतर हैं : पुजारा

जोहानिसबर्ग । टीम इंडिया के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि कप्तान विराट कोहली अब पहले से ठीक हैं। विराट को पीठ में जकड़न के कारण ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। पुजारा ने कहा कि विराट अब पहले से बेहतर हैं और उनके जल्द ही पूरी तरह से फिट होने की उम्मीद है। पुजारा ने कहा कि आधिकारिक तौर पर मैं इससे अधिक कुछ नहीं कर सकता पर अब वह बेहतर स्थिति में हैं और मुझे लगता है कि वह जल्द ही फिट हो जाएंगे। विराट के दूसरे टेस्ट से बाहर होने के कारण ही लोकेश राहुल को इस मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं राहुल ने कहा है कि कोहली 11 जनवरी से केपटाउन में होने वाले तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच तक फिट हो सकते हैं हालांकि इस बारे में सही जानकारी टीम फिजियो के पास ही होगी।

साइ ने कोविड–19 संक्रमण बढ़ने से खिलाड़ियों के लिए आरएटी जांच अनिवार्य की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कोविड-19 के नये स्वरूप ओमीक्रोन संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए राष्ट्रीय शिविर और अभ्यास केंद्रों में पहुंचने पर खिलाड़ियों की रैपिड एंटीजन जांच (आरएटी) को अनिवार्य कर दिया है। वहीं पिछले साल टोक्यो ओलंपिक से पहले साइ द्वारा जारी की गयी मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार एक खिलाड़ी को शिविर पहुंचने के 72 घंटे के अंदर आरटी-पीसीआर जांच करानी होती थी। इसमें नेगेटिव आने पर ही खिलाड़ी शिविर का हिस्सा बन सकता था। अब साइ ने देश भर में बढ़ते ओमिक्रोन संक्रमण के मामलों को देखते हुए नयी एसओपी जारी की है। विभिन्न राष्ट्रीय उत्कृष्ट केंद्रों (एनसीओई) और राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में इन दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जायेगा। इसके तहत अभ्यास केंद्रों में पहुंचने के बाद सभी खिलाड़ियों को अनिवार्य रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) से गुजरना होगा। साइ ने कहा, ''अगर जांच का परिणाम नेगेटिव आता है तो वे ट्रेनिंग करेंगे और जुड़ने के छठे दिन तक अलग से खाना खायेंगे। इसके बाद पांचवें दिन फिर से आरएटी कराया जायेगा। '' इसके अनुसार, ''जिनका परिणाम पॉजिटिव आता है तो वे आरटीपीसीआर टेस्ट से गुजरेंगे और उन्हें अलग-थलग रखा जायेगा जबकि नेगेटिव आने वाले खिलाड़ी सामान्य ट्रेनिंग करना जारी रखेंगें।'' शिविरों में कोविड-19 पॉजिटिव मामलों या लक्षण वाले खिलाड़ियों के लिये पृथकवास सुविधायें भी बनायी गयी हैं तथा सुविधाओं को एक दिन में दो बार सैनिटाइज किया जायेगा। साथ ही एक 'माइक्रो बायो-बबल' (छोटा बायो-बबल) भी होगा जिसमें खिलाड़ियों को ट्रेनिंग और डाइनिंग के लिये छोटे ग्रुप में विभाजित किया जायेगा। इस दौरान खिलाड़ियों को सख्ती से दूसरे ग्रुप से बातचीत से बचने के लिये कहा जायेगा।इसके अलावा एनसीओई में खिलाड़ियों, कोच, सहयोगी स्टाफ और गैर निवासी स्टाफ की प्रत्येक 15 दिन में एक बार 'रैंडम' जांच भी की जायेगी।

आईपीएल से क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं डिविलियर्स

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जरिये खेल में वापसी करना चाहते हैं। डिविलियर्स का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम और आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर में उनके लिए कोई भूमिका निकल सकती है। इस क्रिकेटर ने आईपीएल 2021 के अभियान में आरसीबी के लिए खेले गए 15 मैचों में 31.30 की औसत से 313 रन बनाए थे डिविलियर्स ने पिछले साल नवंबर में क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20017 रन बना चुके डिविलियर्स के नाम सबसे तेज वनडे अर्धशतक, शतक और 150 रन का रिकॉर्ड है। उन्होंने आरसीबी के लिए 156 मैच खेलकर 4491 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि भविष्य में कभी जब मुड़कर देखूंगा तो लगेगा कि मैने कुछ खिलाड़ियों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया। मुझे नहीं पता कि यह बदलाव पेशेवर तौर पर होगा या अस्थाई तौर पर। समय आने पर देखेंगे। डिविलियर्स ने साथ ही कहा कि कोरोना महामारी के बीच पिछले साल खेलना काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा, दो बार आईपीएल के लिए जाना, इतने सारे यात्रा प्रतिबंध, कोरोना जांच, उड़ान रद्द होना या छूटना, बच्चों के स्कूल का प्रबंध सब कुछ बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऐसे में ऊर्जा बनाए रखना कठिन था। इस क्रिकेटर ने अपने संन्यास लेने के कारणों को भी बताया। उन्होंने कहा, मैंने अपने को उस मैदान में पाया जहां रन बनाना और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना वास्तव में उसके साथ जाने वाली हर चीज से मेल नहीं खाता था। मैं कभी भी ऐसा व्यक्ति नहीं रहा जो मेरी क्षमता और मेरे क्रिकेट कौशल की हर एक ऊर्जा को आगे बढ़ाने वाला हो, मैंने हमेशा खेल के आनंद के लिए खेला है. और जिस क्षण वह नीचे जाने लगा, मुझे पता था कि मेरे लिए आगे बढ़ने का समय आ गया है।

स्टोक्स को कप्तान बनाने का समय नहीं : गॉवर

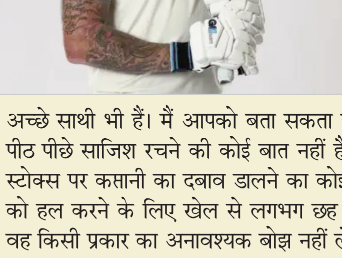

सिडनी । एशेज क्रिकेट सीरीज में इंग्लैंड टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान जो रुट की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तान बनाने की बातें कहीं जा रही हैं। यह भी कहा जा रहा है कि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को कप्तानी की जिम्मेदारी दे देनी चाहिये हालांकि स्टोक्स ने कहा है कि उनकी कप्तान बनने की कोई इच्छा नहीं है। वहीं इस मामले पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गॉवर ने कहा है कि स्टोक्स को जबरन कप्तानी की भूमिका नहीं देनी चाहिये। गोवर ने कहा कि अब स्टोक्स को कप्तान बनाने का समय नहीं है। स्टोक्स इसे अच्छी तरह से समझेंगे क्योंकि वह एक बहुत ही सहज, मजबूत चरित्र वाले खिलाड़ी हैं। इस समय इंग्लैंड की टीम को इस तरह के खिलाड़ियों की ही जरूरत है। गावर ने कहा कि रूट और स्टोक्स अच्छे साथी भी हैं। मैं आपको बता सकता हूं स्टोक्स रूट के लिए पूरी तरह से वफादार होगा। यहां कप्तान की पीठ पीछे साजिश रचने की कोई बात नहीं है। वह शायद रूट के कप्तानी जारी रखने से बहुत खुश हैं। इसलिए स्टोक्स पर कप्तानी का दबाव डालने का कोई फायदा नहीं है। वह अपने मानसिक स्वास्थ्य और उंगली की चोट को हल करने के लिए खेल से लगभग छह महीने दूर रहे और एशेज से उन्होंने टीम में वापसी की है। इसलिए वह किसी प्रकार का अनावश्यक बोझ नहीं लेना चाहेंगे।

शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटे में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।

दिनभर ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

▶ आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।

▶ आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।

▶ आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

▶ हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।

● कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।

● छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।

● एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।

▶ हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।

▶ काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपक?ी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।

▶ ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।

▶ सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।

▶ आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

बदलते मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

ठंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

जाड़े की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं। जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

सर्दी को हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप कोल्ड एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पावडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़दिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

वैज्ञानिकों की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

सार समाचार

उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण, अमेरिका और द.कोरियाई ने जाहिर की चिंता

प्योंगयॉग । उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है ।रिपोर्ट के मुताबिक यह परीक्षण बुधवार, 5 जनवरी को किया गया।मिसाइल ने सफलतापूर्वक 700 किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य पर निशाना लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल अक्टूबर के बाद उत्तर कोरिया ने पहला मिसाइल परीक्षण किया है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान ने भी इसकी पुष्टि कर उत्तर कोरिया की आलोचना भी की है। वैसे, उत्तर कोरिया ने पहली बार बीते साल सितंबर में हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था। परीक्षण के साथ ही वह ये क्षमता हासिल करने वाले दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल हो गया था।हालांकि उ.कोरिया के आक्रामक परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम की पूरी दुनिया में आलोचना भी होती रही है। हाइपरसोनिक मिसाइल की रफ्तार आवाज से 5 गुना ज्यादा है।यानी जितनी देर में व्यक्ति की आवाज दूसरे के कान तक पहुंचे, उसके एक–चौथाई से भी कम समय में पहुंच सकती है। इसकी रफ्तार करीब 6,200 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यानी, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क की लगभग 11,747 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम में नाप सकती है। इसकी एक और खासियत ये है कि यह बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है। इस परीक्षण के जरिए परख लिया गया है कि ये मिसाइल तेज ठंड के मौसम भी सफलतापूर्वक दागी जा सकती है। वरिष्ठ विशेषज्ञ कहते हैं, उ. कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल की उपयोगिता को अच्छी तरह समझ लिया है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के पास मौजूद मिसाइल डिफेंस प्रणालियों का मुकाबला करने के लिहाज से उत्तर कोरिया के लिए हाइपरसोनिक मिसाइल–सिस्टम बहुत काम आने वाला है। वह इस वक्त दो स्तर की हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित कर चुका है। जिसका परीक्षण बीते साल सितंबर में किया था। जिसका परीक्षण अभी बुधवार, 5 जनवरी को हुआ है।नई मिसाइल ह्वासोंग–8 का ही सुधरा हुआ संस्करण है।

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में मकान में लगी भीषण आग, आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत

फिलाडेल्फिया (अमेरिका)। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में दो मंजिला मकान में लगी आग में आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। दमकल अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों को अस्पताल भेजा गया है और अन्य पीड़ितों की तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने घटना में और अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका जतायी है। इस मकान में 26 लोग रहते थे। दमकल अधिकारियों ने बताया कि प्रतीत होता है कि मकान में आग लगने की सूचना देने वाला अलार्म काम नहीं कर रहा था। बुधवार तड़के लगी आग का कारण भी ज्ञात नहीं है लेकिन यह शहर में हुआ अब तक का सबसे बड़ा हादसा है जिसमें आग लगने की वजह से इतने अधिक लोगों की जान गई है। अधिकारियों ने घटना में मारे गए लोगों के नाम, उम्र की जानकारी नहीं दी है। आग सुबह साढ़े छह बजे से पहले लगी थी। कम से कम आठ लोग आग से बच निकलने में सफल रहे। परिवार के लोगों ने फेसबुक पर दो पीड़ितों की पहचान की है। दोनों बहनें हैं – रोजली मैकडोनल्ड (33) और वर्जीनिया थॉमस (30)। दोनों के कई बच्चे हैं हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आग लगने की घटना के वक्त वहां कितने बच्चे मौजूद थे या उनके कितने बच्चों की मौत हुई। दमकल अधिकारियों ने इससे पहले बताया था कि घटना में 13 लोगों की मौत हुई है जिनमें सात बच्चे हैं लेकिन बाद में बुधवार शाम उन्होंने बताया कि मरने वालों में आठ बच्चे और चार वयस्क हैं। दमकल अधिकारी मकान से एक बच्चे को बचाने में सफल रहे लेकिन बाद में उसकी भी मौत हो गई। घटना फेयरमाउंट इलाके में हुई है जो शहर के उत्तर पश्चिम में स्थित है। यहां फिलाडेल्फिया म्युजियम ऑफ आर्ट भी स्थिति है। अधिकारियों ने घटना स्थल के पास दिन में संवाददाता सम्मेलन भी किया। प्रथम दमकल उपायुक्त क्रेग मर्फी ने कहा, 'यह अब तक का सबसे भीषण हादसा है। मैंने अपने जीवन में अब तक ऐसा हादसा नहीं देखा था।' शहर के महापौर जिम केनी ने कहा, 'घटना में इतने सारे बच्चों की जान जाना दुखद है।' राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन का इस जगह से गहरा नाता रहा है। जिल बाइडन ने घटना पर शोक जताते हुए ट्वीट किया, 'फिलाडेल्फिया में आग लगने की घटना में मारे गए लोगों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

बोरिस जॉनसन ने भारत के साथ एफटीए के तहत वीजा नियमों में ढील देने की अटकलों को खारिज किया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बुधवार को इस धारणा को खारिज करने की कोशिश की कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारतीयों के लिए वीजा नियमों में ढील दी जाएगी। साप्ताहिक प्रधानमंत्री के प्रश्न सत्र के दौरान जॉनसन की कंजरवेटिव पार्टी के एक सांसद ने मीडिया में आईं उन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया मांगी जिसमें भारत के लिए एफटीए को और अधिक आकर्षक बनाने के मद्देनजर भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए आसान वीजा नियम बनाने का दावा किया गया था। कंजरवेटिव सांसद सर एडवर्ड लेह ने जॉनसन से पूछा कि क्या भारत के साथ व्यापार समझौते को सुरक्षित करने के लिए वीजा नियंत्रण में छूट का इरादा है। जॉनसन ने कहा, हम उस आधार पर मुक्त व्यापार समझौते नहीं करते हैं। सदन में सांसद एडवर्ड का प्रश्न उन रिपोर्ट पर आधरित है, जिसके अनुसार ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार सचिव ऐने मैरी ट्रेवेलियन के इस महीने के अंत में एफटीए वार्ता शुरू करने के लिए दिल्ली की यात्रा करने की उम्मीद है और कयास लगाए जा रहे हैं कि वह ब्रिटेन के एफटीए के हिस्से के रूप में ऑस्ट्रेलिया के समान वीजा योजना की पेशकश कर सकती हैं। इस तरह की योजना से भारतीय युवाओं को ब्रिटेन आने और वहां तीन साल तक काम करने का मौका मिलेगा।

उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण, अमेरिका और द.कोरियाई ने जाहिर की चिंता

प्योंगयॉग । उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है ।रिपोर्ट के मुताबिक यह परीक्षण बुधवार, 5 जनवरी को किया गया।मिसाइल ने सफलतापूर्वक 700 किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य पर निशाना लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल अक्टूबर के बाद उत्तर कोरिया ने पहला मिसाइल परीक्षण किया है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान ने भी इसकी पुष्टि कर उत्तर कोरिया की आलोचना भी की है। वैसे, उत्तर कोरिया ने पहली बार बीते साल सितंबर में हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था।परीक्षण के साथ ही वह ये क्षमता हासिल करने वाले दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल हो गया था।हालांकि उ.कोरिया के आक्रामक परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम की पूरी दुनिया में आलोचना भी होती रही है। हाइपरसोनिक मिसाइल की रफ्तार आवाज से 5 गुना ज्यादा है।यानी जितनी देर में व्यक्ति की आवाज दूसरे के कान तक पहुंचे, उसके एक–चौथाई से भी कम समय में पहुंच सकती है। इसकी रफ्तार करीब 6,200 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यानी, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क की लगभग 11,747 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम में नाप सकती है।

अलमाटी में कजाकिस्तान के अधिकारी ईंधन की बढ़ती हुई कीमतों का विरोध कर रहे लोगों पर नियंत्रण का प्रयास करते हुए।

उत्तर कोरिया ने किया हाइपरसोनिक मिसाइल दूसरा सफल परीक्षण, तिलमिलाया अमेरिका

सियोल। उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने एक हाइपरसोनिक मिसाइल का का दूसरा सफल परीक्षण किया है। इससे कुछ दिन पहले देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने कोविड महामारी की दुश्वारियों के बीच सैन्य क्षमता को बढ़ाने का संकल्प लिया था। बुधवार को किया गया परीक्षण, पिछले दो महीने में उत्तर कोरिया द्वारा किया गया पहला परीक्षण था। इससे संकेत मिलते हैं कि यह देश निरस्त्रीकरण की दिशा में बातचीत करने की बजाय अपने नाभिकीय और मिसाइल भंडार के आधुनिकीकरण की योजना पर जोर देगा।

आधिकारिक कोरियाई समाचार एजेंसी ने कहा कि सत्ताधारी ह्यवर्कर्स पार्टीह्व ने मिसाइल परीक्षण पर संतोष व्यक्त किया है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उत्तर कोरिया कितनी जल्दी इस प्रकार की मिसाइलों का निर्माण करेगा लेकिन यह हथियार उन जटिल सैन्य उपकरणों में से एक है जिसका किम ने पिछले साल खुलासा किया था।

रूस की इस हरकत के बाद अमेरिका और जर्मनी ने दी चेतावनी, कहा- गंभीर परिणाम भुगतने होंगे

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका और जर्मनी ने कहा है कि यूक्रेन की सीमा के पास रूस के सैन्य जमावड़े ने यूरोपीय सुरक्षा के लिए 'तत्काल और बड़ी चुनौती पेश की' है तथा किसी भी हस्तक्षेप के 'गंभीर परिणाम' होंगे। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बारबॉक ने बुधवार को वाशिंगटन में बैठक के बाद रूस के मुद्दे पर एक राय जताने कीकोशिश की। ब्लिंकन ने कहा, 'जर्मनी और अमेरिका दोनों यूक्रेन के प्रति रूस की हरकत को यूरोप में शांति और स्थिरता के लिए तत्काल और बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, 'हम यूक्रेन की सीमा पर रूस के सैन्य जमावड़े की निंदा करते हैं। रूस की तीखी बयानबाजी की भी हम निंदा करते हैं क्योंकि वह झूठी धारणा फैला रहा है कि यूक्रेन उकसावेबाजी कर रहा है।'

बारबॉक ने ब्लिंकन के बयान से सहमति जताते हुए कहा, 'हमने संयुक्त रूप से कहा है कि रूस की कार्रवाई और गतिविधियां बिल्कुल स्पष्ट हैं और अगर रूस यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन करेगा तो उसके गंभीर परिणाम होंगे।' ब्लिंकन-बारबॉक की इस बैठक के एक सप्ताह पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर वार्ता की थी। बाइडन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की से भी रविवार को बात की थी। ब्लिंकन ने कहा, 'मूल सवाल यह है कि क्या रूस कूटनीति को लेकर गंभीर है, क्या वह तनाव कम करना चाहता है? देखते हैं अगले कुछ सप्ताह में क्या हालात पैदा होते हैं।' बाइडन प्रशासन रूस के खिलाफ कार्रवाई के लिए अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाने का प्रयास कर रहा है और इसके लिए जर्मनी का साथ जरूरी है। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश जर्मनी का साथ मिल जाने से अमेरिका को रूस के खिलाफ कदम उठाने में मदद मिलेगी।

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान का दोस्त लॉर्ड नजीर ब्रिटेन में रेप का दोषी करार

लंदन (एजेंसी)

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री पीएम इमरान खान के दोस्त और ब्रिटेन के विवादित मुस्लिम नेता लार्ड नजीर अहमद को दो बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी करार दिया गया है। लॉर्ड नजीर को 1970 के दशक में किशोरावस्था में एक बच्चे के साथ यौन उत्पीड़न और एक लड़की के साथ रेप के प्रयास का दोषी पाया गया है। पाकिस्तान में जन्मा लॉर्ड नजीर अहमद अक्सर भारत के खिलाफ कश्मीर को लेकर जहरीले बयान देता रहता है। यही नहीं एक बार तो उसने पीएम मोदी के मौत की कामना भी की थी। लेबर पार्टी के पूर्व नेता रह चुके लॉड नजीर को बच्चे के साथ अप्राकृतिक कृत्य और एक लड़की के साथ दो बार रेप के प्रयास का दोषी पाया गया है। नजीर के साथ उसके दो भाइयों को मोहम्मद फारुक और मोहम्मद तारिक के खिलाफ आरोप सही पाए गए हैं। नजीर के दोनों भाई ज्यादा उम्र हो जाने के कारण ट्रायल में शामिल होने के लिए अनफिट पाए गए थे। इससे पहले एक महिला ने कोर्ट को बताया था कि नजीर अहमद ने साल 1973 और 1974 में रेप का प्रयास किया था। उस समय नजीर की उम्र 16 या 17 साल थी और पीड़ित लड़की उससे भी काफी छोटी थी। नजीर को साल 1972 में एक बच्चे के साथ गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी पाया गया है। नजीर अहमद ने इन आरोपों को दुर्भावनापूर्ण करार दिया था और सभी आरोपों को खारिज किया था।

टीका न लेने वालों के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति के आपत्तिजनक शब्द पर खड़ा हुआ विवाद

पेरिस । (एजेंसी)

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कोरोना वायरस का टीका नहीं लेने वाले लोगों पर दबाव बनाने की अपनी रणनीति का जिक्र करते हुए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनकी टिप्पणी को लेकर संसद में हंगामा होने के साथ ही उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने भी विरोध जताया। राष्ट्रपति ने हाल ही में एक फ्रांसीसी अखबार द्वारा प्रकाशित एक साक्षात्कार में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब संसद में नए उपायों को लेकर तीखी बहस हो रही है। नए कदमों में यह भी प्रस्ताव किया गया है कि केवल टीका लेने वाले लोगों को ही छुट्टियों पर बाहर घूमने की अनुमति दी जाए। राष्ट्रपति साक्षात्कार में टीकाकरण पर जोर देने की अपनी रणनीति की चर्चा कर रहे थे। मैक्रों के स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरन ने राष्ट्रपति के बयान का बचाव किया और कहा कि उनके साक्षात्कार में 'सबसे ऊपर, जनसंख्या की रक्षा के लिए उनके इराद प्रदर्शित होते हैं। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन वेरिएंट से जूझ रही दुनिया के लिए एक और बुरी खबर है। फ्रांस में वैज्ञानिकों को कोरोना वायरस का एक नया वेरिएंट मिला है जो ओमीक्रोन से भी ज्यादा संक्रामक है। यह वेरिएंट ज्यादा म्यूटेड है और इसका नाम आईएचयू है। इस बी.1.640.2 वेरिएंट को आईएचयचू मेडि?टेरेंस इन्फेक्शन के विशेषज्ञों ने खोजा है। शोधकताओं ने कहा कि इस वेरिएंट में 46 म्यूटेशन है जो ओमीक्रोन से भी ज्यादा है। विशेषज्ञों ने कहा कि आईएचयू वेरिएंट वैक्सीन और संक्रमण को लेकर ज्यादा प्रतिरोधी है। यही नहीं इस आईएचयू वेरिएंट के कम से कम 12 मामले मारसेल्लेस के पास दर्ज किए गए हैं। यहां से लोग अफ्रीका के कैमरून गए थे। यह नया वेरिएंट ऐसे समय पर मिला है जब दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट फैला हुआ है।

चीन में निर्मित विमान नेपाल एयरलाइंस को बना रहे कंगाल

छह विमानों का इस्तेमाल किया बंद

काठमांडू। (एजेंसी)

चीन के द्वारा निर्मित विमानों से नेपाल एयरलाइंस को बड़ा चूना लगा है। दरअसल, नेपाल एयरलाइंस ने चीन में बने छह विमानों का इस्तेमाल बंद कर दिया है क्योंकि इनका संचालन करने में कंपनी सक्षम नहीं थी। चीन की पहचान ही ऐसे देश के तौर पर है, जो खराब गुणवत्ता वाली चीजें बनाता है और इनका रखरखाव भी बहुत महंगा होता है।

नेपाल एयरलाइंस कई बार यह दोहरा चुका है कि साल 2014 से 2018 के बीच में खरीदे गए चीन निर्मित विमानों की वजह से कंपनी को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है और इसलिए वह इन विमानों को संचालन से हटाकर आगे किसी तरह के नुकसान से बचना चाहता है। साल 2020 में नेपाल एयरलाइंस के बोर्ड के सदस्यों ने यह फैसला लिया था कि छह साल पहले काठमांडू पहुंचे चीन के बनाए विमानों को अब वह नहीं उड़ाएगा।

नेपाल एयरलाइंस के पास कुल मिलाकर छह चीनी विमान थे। इनमें से 2 एमए60 और 4 वाई.2ई थे। नेपाल को दोनों मॉडल के एक-एक विमान अनुदान में मिले थे। वहीं, दोनों सरकारों के बीच समझौते के तहत नेपाल ने चार विमान खरीदे थे। इनमें 1 एमए60 और 3 वाई12ई शामिल हैं। हालांकि, नेपाल ने साल 2018 में एक दुर्घटना की वजह से एक वाई12ई विमान खो दिया था। खबरों के मुताबिक, नेपाल एयरलाइंस के एक अधिकारी के मुताबिक इन विमानों का संचालन अभी और भविष्य दोनों में ही नेपाल के लिए फायदेमंद नहीं है। अधिकारी ने बताया, 'हम इन विमानों के संचालन में तकनीकी खराबी का सामना कर रहे हैं। इन विमानों को चलाने के लिए विशेष कौशल वाले पायलटों की भी जरूरत है, जिनकी कमी है। चीन में पायलट हैं लेकिन भाषाई बाधाओं की वजह से नेपाल में पायलटों की ट्रेनिंग संभव नहीं।'

अधिकारी ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर यह भी बताया कि इस मामले में नेपाल ने चीन से संपर्क भी किया लेकिन बीजिंग की ओर से कोई मदद नहीं मिली। नेपाल एयरलाइंस के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर रोजाना नेपाली पायलटों की ट्रेनिंग को लेकर मीटिंग कर रहे हैं लेकिन अभी तक उसपर कोई फैसला नहीं लिया गया है। समझौते पर जब साइन किए गए थे तब नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के पास चीनी एयरक्राफ्ट उड़ाने के लिए कोई प्रशिक्षित पायलट नहीं था और अब छह साल बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस है। नेपाल एयरलाइंस के अधिकारी ने यह भी बताया कि ये अलग तरह के विमान हैं, जिनके संचालन के लिए अलग ट्रेनिंग की जरूर है। दुर्लभ एयरक्राफ्ट होने की वजह से इसके कल-पुर्जे का मिलना भी मुश्किल होता है। कई एयरक्राफ्ट्स में लगे कल-पुर्जों का वॉरंटी पीरियड भी खत्म हो चुका है। नेपाल एयरलाइंस ने ये विमान लोन पर खरीदे थे लेकिन उसी समय से एयरलाइंस इसका भुगतान करने में सक्षम नहीं है।

टेस्ला ने शिनजियांग प्रांत में खोला शोरूम, समाजिक कार्यकताओं ने नरसंहार के लिए आर्थिक समर्थन को बंद करने का किया आग्रह

बीजिंग। (एजेंसी)

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने अपने नए शोरूम के लिए उस क्षेत्र को चुना जिसको लेकर देश-दुनिया समेत सामाजिक कार्यकताओं की तरफ से चीन के ऊपर मानवाधिकार हनन और नरसंहार के आरोप लगते रहते हैं। टेस्ला ने शुक्रवार को शिनजियांग की राजधानी उरुमकी में अपना शोरूम खोलने की घोषणा अपने चीनी सोशल मीडिया अकाउंट पर करते हुए कहा, ₹चलो शिनजियांग की इलेक्ट्रिक यात्रा शुरू करते हैं! लेकिन टेस्ला के इस ऐलान के साथ ही इसका विरोध शुरू हो गया है और अमेरिका व सामाजिक कार्यकर्ता एलेन मस्क से शिनजियांग प्रांत में खोले गए शो रूम को बंद करने की अपील कर रहे हैं।

नरसंहार के लिए आर्थिक समर्थन को बंद करने का आग्रह

वाशिंगटन, डीसी में स्थित काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस ने टेस्ला और उसके हेड एलोन मस्क से शोरूम को बंद करने और ₹नरसंहार के लिए आर्थिक समर्थन को बंद करने₹ का आग्रह किया। परिषद के संचार निदेशक इब्राहिम हूपर ने एक बयान में कहा कि किसी भी अमेरिकी कंपनी को ऐसे क्षेत्र में व्यवसाय नहीं करना चाहिए, जो एक धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक को लक्षित करने वाले नरसंहार अभियान का केंद्र है। वहीं सामाजिक कार्यकताओं ने टेस्ला कंपनी से चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांत शिनजियांग में खोले गए एक नए शोरूम को बंद करने की अपील की है, जहां अधिकारियों द्वारा ज्यादातर मुस्लिम जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ दुर्व्यवहार का आरोप है।

शिनजियांग में टेस्ला का 211वां चीनी शोरूम

साल 2004 में एलन मस्क ने कारों की दुनिया में क्रांति लाते हुए इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला शुरू कीथी। टेस्ला आज इलेक्ट्रिक कार की दुनिया में अग्रणी कंपनी है। बता दें कि 2021 में एलन मस्क दुनियाके सबसे अमीर व्यक्ति बने हैं। इलेक्ट्रिक कार निमार्ता टेस्ला ने शिनजियांग में अपना 211वां चीनी शोरूम खोला है। जबकि अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियां कथित मानवाधिकार हनन के कारण इस क्षेत्र से हट गई हैं।

अमेरिका का सख्त संदेश

व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि निजी क्षेत्र की कंपनियां जो अपनी आपूर्ति श्रृंखला के भीतर जबरन मजदूरी और मानवाधिकारों के हनन को संबोधित करने में विफल रहती हैं, उन्हें अमेरिका में गंभीर कानूनी परेशानियों और ग्राहक जोखिम का सामना करना पड़ता है। अमेरिकी काउंसिल ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक ट्वीट के जरिए साफ शब्दों में यह तक लिख दिया है कि ₹एलन मस्क को टेस्ला के शिनजियांग शोरूम को बंद करना पड़ेगा। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से अमेरिका लगातार शिनजियांग में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले चीनी दमन का विरोधकर रहा है और अमेरिका पहले ही शिनजियांग प्रांत में बनने वाले प्रोडक्स पर प्रतिबंध लगा चुका है।इसके साथ ही अमेरिका ने शीतकालीन बीजिंग ओलंपिक का भी डिप्लोमेटिक बहिष्कार कर दिया है,जिसका आयोजन अगले महीने से होने वाला है।

नाइक, एडीडास और एच एंड एम जैसे बड़े ब्रांड्स ने उठाया शिनजियांग का मुद्दा

स्वीडिश ब्रांड एच एंड एम ने शिनजियांग प्रांत में मजदूरों की हालत को लेकर चिंता जताई थी। फैशन वियर बनाने वाली कंपनी एच एंड एम ने एक बयान जारी कर जबरन मजदूरी पर बयान दिया था। कंपनी की तरफ से कहा गया था कि वो उन रिपोर्ट्स को लेकर खासी परेशान है जिसमें शिनजियांग प्रांत में जबरन मजदूरी के आरोप लगाए गए हैं। एच एंड एम की तरफ से यह भी कहा गया था कि वो अब शिनजियांग से कॉटन नहीं खरीदेगी। स्पोर्ट्स वियर बनाने वाली कंपनी नाइक और एजीडास ने भी एच एंड एम का समर्थन किया था।

मास्क से बचने महिला ने उतारे कपड़े!

ब्यूनस आयर्स । एक महिला का वीडियो वाइरल हुआ है जिसने मास्क से बचने के लिए अपने कपड़े ही उतार दिए। हाल ही में मिली जानकारी के मुताबिक नए साल के पहले दिन महिला अर्जेंटीना के एक आइसक्रीम पार्लर में प्रवेश करती है जिसे देखकर सभी चौंक उठते हैं। महिला ने सिर्फ अंडरगार्मेंट्स ही पहन रखे थे क्योंकि वह अपनी ड्रेस का इस्तेमाल फेस मास्क के रूप में करना चाहती थी। यह अजीबोगरीब दृश्य 1 जनवरी को रात करीब 10 :40 बजे पश्चिमी अर्जेंटीना के मेंडोजा प्रांत के गोडॉय क्रूज शहर में देखा गया था। पार्लर की सीसीटीवी फुटेज में महिला के अलावा एक पिता भी अपनी तीन बेटियों के साथ आइसक्रीम खरीदने के लिए काउंटर के पास खड़े हैं कि तभी महिला पार्लर में प्रवेश करती है। वीडियो में नजर आ रहे शख्स का मास्क उसकी नाक के नीचे था इसके बाद भी उसे आइसक्रीम खरीदने की अनुमति मिल गई। अपनी ड्रेस को अपने मुंह पर बांधने का प्रयास करती महिला से मास्क पहनने के लिए कहा गया जिसका महिला ने विरोध किया। आखिर महिला ने अपना इरादा बदल दिया और वह पार्लर से बाहर चली गई। अर्जेंटीना की स्थानीय मीडिया के अनुसार महिला अपने 10 दोस्तों के साथ आइसक्रीम पार्लर पहुंची थी जिनमें से किसी के पास भी मास्क नहीं था। महिला के नाम का खुलासा नहीं हो पाया है। खबरों के मुताबिक उसने स्टाफ के सदस्यों से कहा कि मुझे मास्क के लिए मत टोको, मैं इसे लगा रही हूं। कहा जा रहा है कि उस ग्रुप में किसी ने मास्क का जुगाड़ किया जिसके बाद उन्होंने 11 आइसक्रीम खरीदी। इससे पहले एक महिला के बिकीनी पहनकर एयरपोर्ट पहुंचने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया था। लोगों ने कहा था कि वह सीधे पार्टी से फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट आ गई है।

क्रांति समय
शुक्रवार, 7 जनवरी–2022
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरी क्रूर लहर से ज्यादा तेजी से प्रसार

देश में कोरोना के मामलों में बेतहाशा वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में कोरोना के ओमीक्रोन स्वरूप से मौत का पहला मामला राजस्थान में सामने आया, जबकि कोरोना के नए मामले 70,000 के पार चले गए। केंद्र ने बेतहाशा वृद्धि बताया है, जिसका प्रसार दूसरी क्रूर लहर के दौरान दर्ज प्रसार से कहीं ज्यादा है। संक्रमण के प्रसार की गति को दर्शाने वाला पैमाना 'आर नॉट वैल्यू' अभी के मामलों में अधिक स्तर पर है।

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ वी के पॉल ने कहा, आर नॉट वैल्यू 2.69 है। यह 1.69 के आंकड़े से अधिक है, जो हम लोगों ने महामारी की दूसरी लहर के चरम पर देखी थी। मामलों का प्रसार पहले से कहीं अधिक तेज है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी तक कोरोना के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन के 2,135 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 828 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या अन्य स्थानों पर चले गए हैं। ये मामले 24 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में सामने आए। महाराष्ट्र में सबसे अधिक 653 मामले सामने आए, इसके बाद दिल्ली में 464, केरल में 185, राजस्थान में 174, गुजरात में 154 और तमिलनाडु में 121 मामले सामने आए।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि राजस्थान के उदयपुर में 73 वर्षीय व्यक्ति जिसकी पिछले सप्ताह मृत्यु हो गई, उसके नमूने में ओमीक्रोन स्वरूप की उपस्थिति दिखी। कई राज्यों ने कई चिकित्सकों के संक्रमित होने की जानकारी दी है जिससे किसी संकट से निपटने के लिए चिकित्सा कर्मियों की कमी की आशंका पैदा हो गई है।मुंबई में महाराष्ट्र सरकार और नगर निकाय द्वारा संचालित अस्पतालों के 159 रेजिडेंट डॉक्टर तीन दिन में कोरोना से संक्रमित मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में एक दिन में कोविड-19 के 58,097 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,50,18,358 हो गई है। करीब 199 दिन बाद इतने अधिक दैनिक मामले सामने आए हैं। इससे पहले 20 जून 2021 को 58,419 नए मामले सामने आए थे। देश में 534 और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,82,551 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या करीब 81 दिन बाद दो लाख के पार चली गई। अगर शाम को कुछ राज्य अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आंकड़ों को भी ध्यान में रखा जाए तो देशव्यापी कोविड मामले 70,000 के आंकड़े को पार कर गए। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और दिल्ली उन राज्यों में शामिल थे, जिन्होंने मामलों में एक दिन में भारी उछाल दर्ज किया।

पीएम की सुरक्षा में चूक होना गंभीर मुद्दा, जिम्मेदारी तय हो: अशोक गहलोत

जयपुर (एजेंसी) ।

पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सेंध को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहा कि यह गंभीर चूक है। मामले पर राजनीति करने की बजाय विशेष सुरक्षा दल (एसपीजी), खुफिया ब्यूरो (आईबी) तथा अन्य एजेंसियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। गहलोत ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक होना एक गंभीर मामला है। पूर्व में भारत के दो प्रधानमंत्रियों इन्दिरा गांधी एवं राजीव गांधी की हत्या हो चुकी है जिसके बाद प्रधानमंत्री की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी एसपीजी को दी गई। प्रधानमंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसपीजी एक्ट में विशेष प्रावधान किए गए हैं।' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री के दौरे पर सुरक्षा की जिम्मेदारी एसपीजी एवं आईबी की होती है तथा राज्य पुलिस एसपीजी के निर्देशों एवं सलाह का पालन करती है। एसपीजी की अनुमति के बिना प्रधानमंत्री का काफिला आगे नहीं बढ़ सकता है।' उन्होंने कहा, 'एसपीजी को बताना चाहिए कि बिना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के प्रधानमंत्री को दो घंटे से अधिक समय की सड़क यात्रा क्यों करवाई गई? पंजाब के मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों के प्रदर्शन के बारे में पूर्व में जानकारी दे दी गई थी तब भी प्रदर्शन वाले रास्ते में पीएम के काफिले को जाने की अनुमति एसपीजी ने क्यों दी?' उन्होंने कहा, यह एक गंभीर मुद्दा है जिस पर राजनीति करने की बजाय एसपीजी, आईबी तथा अन्य एजेंसियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा द्वारा इस मुद्दे पर कांग्रेस एवं पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी के खिलाफ की जा रहीं टिप्पणियां मुद्दे की गंभीरता को कम करती है। इसकी निंदा की जानी चाहिए।

चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के दूसरे परिसर का आज उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कोलकाता स्थित चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (सीएनसीआई) के दूसरे परिसर का उद्घाटन करने वाले है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इसकी जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री शुक्रवार को पूर्वाह्न एक बजे वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के दूसरे परिसर का उद्घाटन करने वाले है।परिसर का निर्माण 530 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। इसमें केंद्र ने करीब 400 करोड़ रुपये दिए हैं, जबकि शेष राशि पश्चिम बंगाल सरकार ने खर्च की। पीएमओ ने कहा कि संस्थान के दूसरे परिसर का निर्माण देश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। सीएनसीआई पर कैंसर मरीजों का भारी बोझ था।पिछले कुछ समय से इसके विस्तार की जरूरत महसूस की जा रही थी। सीएनसीआई के नए परिसर के बन जाने से उसपर पड़ने वाला बोझ कम होगा। नए परिसर में 460 बिस्तरों वाला व्यापक कैंसर यूनिट होगा जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

राष्ट्रपति कोविंद, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता आनंद शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी। शर्मा आज 69 वर्ष के हो चुके है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित अनेक नेताओं ने राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता शर्मा को जन्मदिन पर मुबारकबाद दी। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शर्मा को बधाई संदेश दिया, वहीं नायडू ने उनसे टेलीफोन पर बात की।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी शर्मा को बधाई संदेश प्रेषित किया। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

हर राज्य सरकार को प्रधानमंत्री को उच्चतम स्तर की सुरक्षा देनी चाहिए : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में किसी भी चूक को 'अस्वीकार्य' बताया है। पीएम मोदी का फिरोजपुर दौरा तय था, जहां पीएम को 42 हजार 750 करोड़ रुपये विकास कार्यों का शिलान्यास करने जाने वाले थे।हालांकि, सुरक्षा में चूक के चलते उनका कार्यक्रम रद्द हो गया। इसकी जानकारी गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर दी।आप प्रवक्ता राघव चड्ढा ने कहा है, कि हर राज्य सरकार को प्रधानमंत्री को उच्च स्तर की सुरक्षा देनी चाहिए। आप नेता ने ट्वीट किया,प्रधानमंत्री की सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक अस्वीकार्य है। हमारे चाहे जो भी मतभेद हों, लेकिन हर राज्य सरकार को प्रधानमंत्री को उच्चतम स्तर की सुरक्षा देनी चाहिए। पीएम के कार्यक्रम में सुरक्षा को लेकर हुई चूक के संबंध में गृहमंत्रालय ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि पीएम मोदी सुबह बठिंड पहुंचे, जहां से वे हेलिकॉप्टर के जरिए हुसैनीवाला शहीद स्मारक जाने वाले थे।बारिश और कम दृष्यता के चलते पीएम ने करीब 20 मिनट मौसम साफ होने का इंतजार किया। बयान के अनुसार, जब मौसम नहीं सुधरा,तब यह फैसला लिया गया कि वे राष्ट्रीय शहीद स्मारक सड़क मार्ग से पहुंचने वाले हैं, जिसमें दो घंटे से ज्यादा का समय लगेगा। पंजाब पुलिस डीजीपी से सुरक्षा इंतजामों की पुष्टि किए जाने के बाद पीएम मोदी सड़क मार्ग से निकले। हुसैनीवाला में राष्ट्रीय शहीद स्मारक से करीब 30 किमी दूर जब पीएम का काफिला फ्लायओवर पर पहुंचा, तो यह पाया गया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क को ब्लॉक कर दिया है।पीएम फ्लायओवर पर 15-20 मिनट फंसे रहे।

बुल्ली बाई मोबाइल ऐप मामले में दिल्ली पुलिस की ने मुख्य आरोपी को असम से पकड़ा

नई दिल्ली ।

मुस्लिम महिलाओं को अपमानित करने वाले मोबाइल ऐप बुल्ली बाई से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस गुरुवार को असम से एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। स्पेशल सेल ने जानकारी दी है कि यह कार्रवाई इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटीजिक ऑपरेशन्स यूनिट (आईएफएसओ) ने की है। पुलिस आरोपी को लेकर दोपहर 3.30 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंच रही है। खबर है कि इस ऐप में आरोपी मुस्लिम महिलाओं को अपमानजनक तरीके से दिखा रहे थे। स्पेशल ने बताया कि गिटहब पर बुल्ली बाई तैयार करने वाला और मुख्य साजिशकर्ता और इस ऐप का ट्विटर खाताधारक को आईएफएसओ ने गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने बुधवार को कहा कि 'बुल्ली बाई' ऐप के सिलसिले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें मुस्लिम महिलाओं की तस्वीर ऑनलाइन पोस्ट कर उन्हें बदनाम किया जा रहा था। पुलिस ने यह भी दावा किया कि ऐसा लगता है कि आरोपियों ने अपने ट्विटर हैंडल में सिख समुदाय से संबंधित नामों का इस्तेमाल किया था, जिससे कि लोगों को गुमराह किया जा सके और आरोपियों की पहचान न हो पाए। इस संबंध में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यहां बताया कि शहर पुलिस की साइबर इकाई द्वारा उत्तराखंड से गिरफ्तार की गई 18 वर्षीय महिला श्वेता सिंह मुख्य आरोपी है, जिसने ऐप का ट्विटर हैंडल बनाया था। उन्होंने दावा किया कि सिंह ने 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की है और वह इंजीनियरिंग करने की योजना बना रही थी। इससे पहले दिन में, मुंबई के पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले ने संवाददाताओं से कहा कि इस मामले में कुछ और लोगों के शामिल होने की आशंका है। मामले में बुधवार तड़के उत्तराखंड से मयंक रावल (21) को गिरफ्तार किया गया। श्वेता सिंह को मंगलवार को उत्तराखंड के ही रुद्रपुर से गिरफ्तार किया गया था, जबकि इंजीनियरिंग के छात्र विशाल कुमार झा (21) को सोमवार को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया था। नगराले ने कहा कि मुंबई पुलिस ने दो जनवरी को ऐप के बारे में शिकायत मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की, जिसके बाद जांचकर्ताओं ने ऐप और संबंधित ट्विटर हैंडल का तकनीकी विश्लेषण शुरू किया। उन्होंने कहा, 'तकनीकी विश्लेषण के दौरान, हमने ऐप के अनुयायियों के बारे में जानकारी एकत्र की और आरोपी की तलाश शुरू की।'

मुंबई में अस्पताल के 50 फीसदी बिस्तर कोरोना मरीजों से भरे

आगामी सप्ताह बहुत अहम साबित होगा

मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई में कोरोना की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।शहर में एक सप्ताह में ही अस्पताल में 50 फीसदी बिस्तर भरा चुके हैं। इसकी जानकारी बृह्नमुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की कोरोना कमेटी के सदस्य डॉक्टर ने दी है। उन्होंने चेताया है कि आने वाले समय में कोरोना संक्रमितों की संख्या में और इजाफा होगा। हालांकि, अधिकांश मरीजों के स्वस्थ होने की रफ्तार भी बढ़ी है।वहीं, महाराष्ट्र में 260 रेजिडेंट डॉक्टर के संक्रमित होने की खबर है। डॉक्टर भंसाली ने जानकारी दी कि शहर में अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है।एक सप्ताह पहले केवल 2 फीसदी बिस्तर ही भरे हुए थे, लेकिन मामले बढ़ने के चलते 50 फीसदी बिस्तर भर चुके हैं। उन्होंने जानकारी दी कि भर्ती होने वाले मरीज 2-3 दिनों में ही स्वस्थ हो रहे हैं। उन्होंने कहा है कि आगामी सप्ताह शहर के लिए अहम होगा। डॉक्टर ने बताया कि न्यू ईयर और शादियों का सीजन हाल ही में खत्म हुआ है,इसकारण आने वाले दिनों में मामले और भी बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सामने आए मामलों में 92 फीसदी मरीज एसिम्प्टोमैटिक हैं। जानकारी दी गई है कि मुंबई में स्वास्थ्य व्यवस्था तैयार है।उन्होंने कहा कि अगर मुंबई में 2 लाख मामले भी सामने आते हैं, वहां व पूरी तरह से तैयार हैं।कोरोना संक्रमण की पहली और दूसरी लहर के दौरान महाराष्ट्र सर्वाधिक प्रभावित था। कोरोना समिति के सदस्य ने बताया कि निजी अस्पतालों में 7 हजार बेड तैयार हैं, और 2-3 दिनों में इन्हें बढ़ाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि बीएमसी की अनुमति मिलने तक निजी अस्पतालों में बिस्तर किसी को नहीं दिए जाएंगे। ओमिक्रॉन वेरिएंट को लेकर उन्होंने कहा कि वैक्सीन नहीं लेने वाले और मास्क नहीं पहनने वालों इस वेरिएंटसे ज्यादा खतरा है।उन्होंने कहा कि मास्क पहन रहे और वैक्सीन हासिल कर चुके लोगों में हल्के लक्षण ही नजर आ रहे हैं।

कोरोना से जान गंवाने वाले आश्रितों को बिहार- सरकार देगी साढ़े चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि

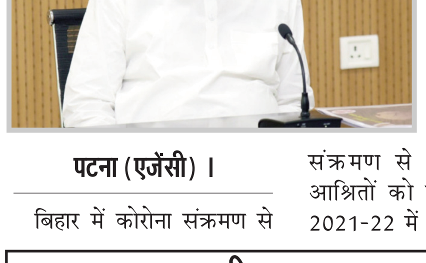

पटना (एजेंसी) ।

बिहार में कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वाले परिजनों को साढ़े चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि राज्य सरकार प्रदान करेगी। नीतीश मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। कोरोना संक्रमण से मरने वालों के आश्रितों को लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 में वर्तमान उपबंध के अतिरिक्त 105 करोड़ रुपये बिहार आकस्मिकता निधि से अग्रिम की स्वीकृति प्रदान कर दी है। बिहार सरकार ने मृतक के आश्रितों को चार लाख 50 हजार रुपये प्रदान करने का निर्णय लिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल छह प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल छह प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण से मृत व्यक्तियों के निकटतम आश्रित को साढ़े चार लाख रुपए प्रति मृतक की दर से अनुग्रह अनुदान राशि का भुगतान राज्य संसाधन से करने के निमित्त वित्तीय वर्ष 2021-22 में वर्तमान उपबंध के अतिरिक्त 105 करोड़ रुपए बिहार आकस्मिकता निधि से अग्रिम के साथ ही ऐसे प्रत्येक मृतक के आश्रित को 50 हजार रुपए की दर से भुगतान करने के लिए चालू वित्तीय वर्ष में आकस्मिकता निधि से 20 करोड़ रुपये के अग्रिम की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी दिवंगत कविराज रामलखन सिंह %बैद्य% शहीद नाथून प्रसाद यादव, शीलभद्र याजी, मोगल सिंह एवं डुमर प्रसाद सिंह के सम्मान में पटना जिले के बख्तियारपुर नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित प्रतिमा स्थल पर प्रत्येक वर्ष 17 जनवरी को राजकीय समारोह आयोजित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा बिहार पेशा कर नियमावली, 2011 में संशोधन तथा राज्य के राजस्व में वृद्धि के लिए बिहार ईख नियमावली-1978 में संशोधन को स्वीकृति दी गई है। बैठक में बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 के आलोक में एक नए नगर निकाय का गठन एवं तीन नगर निकायों के क्षेत्र विस्तार की भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना के कारण रिट्रीट सेरेमनी पर आम जनता के आने पर रोक

चंडीगढ़ ।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा पर अटारी-वाघा में दैनिक रिट्रीट समारोह में आम जनता के लिए रोक लगा दी गई है।बताया जा रहा है कि बीएसएफ के अधिकारियों ने स्थिति की समीक्षा की है, रिट्रीट सेरेमनी देखने के लिए जनता के प्रवेश को तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया है।जिला मजिस्ट्रेट अमृतसर के कार्यालय से जारी नवीनतम दिशानिर्देशों के मद्देनजर 'रिट्रीट सेरेमनी' देखने के लिए जनता के प्रवेश को रोकने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। बता दें कि कोरोना के खतरे को देखकर समारोह को देखने के लिए जनता के प्रवेश पर पहले भी रोक लगी थी।सात मार्च, 2020 से लगी रोक के बाद पिछले साल 15 सितंबर को फिर से समारोह में लोगों के आने की अनुमति बहाल की गई थी।इससे पूर्व रिट्रीट सेरेमनी देखने के लिए हर रोज 20 से 25 हजार लोग पहुंचते थे। इस दौरान बीएसएफ के जवान पाक रेंजर्स के साथ परेड करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज सम्मान सहित उतारने की रस्म अदा करते हैं।इस बारे में बीएसएफ ने कहा है कि कोरोना की स्थिति और अमृतसर के जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के मद्देनजर रिट्रीट समारोह को देखने आने वाले आम लोगों के प्रवेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तृणमूल कांग्रेस की नेता एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके 67वें जन्मदिन पर गुरुवार को बधाई दी। 2011 से बंगाल की मुख्यमंत्री, बनर्जी को सबसे शक्तिशाली क्षेत्रीय शासकों में गिना जाता है,वह देश में विपक्ष की प्रमुख नेता हैं। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी को जन्मदिन की बधाई। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

अगले पांच वर्ष में 50 चीते देश में लाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली।

1952 में विलुप्त होने के बाद चीता फिर भारत में नजर आने के लिए तैयार हैं। केंद्र सरकार ने कार्य योजना की घोषणा की,इसके तहत अगले पांच वर्ष में 50 चीता देश में लाए जाएंगे। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की 19वीं बैठक में कार्य योजना की शुरुआत करते हुए कहा, स्वतंत्र भारत में विलुप्त हो चुके चीता भारत में वापसी के लिए तैयार हैं।एनटीसीए के अधिकारी ने कहा था कि चीता को फिर से लाने की योजना कोरोना कारण अधर में लटक गई थी। कार्य योजना के अनुसार,लगभग 10-12 युवा चीतों का एक समूह जो पुनः प्रजनन के लिए आदर्श होगा, को पहले वर्ष के दौरान नामीबिया या दक्षिण अफ्रीका से एक संस्थापक पशुधन के रूप में आयात किया जाएगा । तीन सौ पन्नों की कार्य योजना में कहा गया, जंगली नर पशुओं के मौजूदा समूह का चयन होगा,जबकि कोशिश की जाएगी कि चयनित मादाएं भी एक-दूसरे से परिचित हों।

कोरोना प्रतिबंधों में होगा इजाफा हेल्थ सेक्रेटरी की बढ़ते मामलों पर मीटिंग

नई दिल्ली ।

देश में हर दिन दोगुनी रफ्तार से बढ़ रहे कोरोना मामलों के बीच केंद्रीय गृह सचिव आज समीक्षा बैठक करेंगे। माना जा रहा है कि कोरोना की रफ्तार को देखते हुए कुछ अतिरिक्त पाबंदियों को लगाने पर विचार किया जा सकता है। कई राज्यों में स्थिति काफी भयावह होती जा रही है। महाराष्ट्र और दिल्ली में कोरोना संक्रमण से सबसे बुरा हाल देखने को मिल रहा है और साथ ही ओमिक्रॉन वैरिएंट के भी सबसे ज्यादा मामले इन्हीं दोनों जगह हैं। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला आज यानी गुरुवार शाम में बढ़ते कोरोना केसों को लेकर समीक्षा बैठक करने वाले हैं। बता दें कि गुरुवार को भी देश में 90 हजार से ज्यादा नए कोरोना केस आए हैं, जो बीते दिन की तुलना में 56 फीसदी से भी ज्यादा हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि कोरोना केसों के महाविस्फोट के बीच भी संक्रमण से होने वाली मौतों का आंकड़ा 400 से भी कम रहा। वहीं, ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के कुल 2630 मामले हैं। इनमें से 995 मरीज अब तक ठीक हो चुके हैं। यह वैरिएंट भारत के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक फैल चुका है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 797 केस दर्ज हो चुके हैं तो वहीं 465 मामलों के साथ राजधानी दिल्ली दूसरे नंबर पर है।

भूस्खलन बना बाधा, वैष्णो देवी मंदिर के लिए बने नए ट्रैक पर आवाजाही बंद, हेलिकॉप्टर सेवा स्थगित

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए बना नया ट्रैक पर भूस्खलन बाधा का कारण बना इसे कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। वहीं खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर सेवाएं स्थगित रहीं। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के बीच दोपहर बाद पंछी में नए ट्रैक पर भूस्खलन हुआ, जिसके बाद अधिकारियों को बैटरी कार सेवा को निलंबित करना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि तीर्थयात्रियों की आवाजाही को पुराने ट्रैक की ओर मोड़ दिया गया था, लेकिन बाद में भूस्खलन का मलबा साफ होने के बाद इसे फिर से शुरू कर दिया गया। हालांकि, एहतियात के तौर पर बैटरी कार सेवा को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर सेवा दिन भर के लिए स्थगित रही। वहीं जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर रामबन के पास बुधवार को पहाड़ी से बड़ा पत्थर एक कार पर आ गिरा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

राष्ट्रपति कोविंद ने पीएम की सुरक्षा चूक पर चिंता जाहिर की

पीएम ने मिलकर दी पूरी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब के बठिंडा से फिरोजपुर जाते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक का मामला तूल पकड़ रहा है। बीजेपी मामले को लेकर पंजाब सरकार पर हमलावर है।बीजेपी की ओर से पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।वहीं पंजाब सरकार ने भी मामले में उच्च स्तरीय जांच कमेटी बना दी है।पीएम मोदी की सुरक्षा का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह की ओर से गुरुवार को यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एनवी रमण की बेंच के समक्ष पेश किया गया है। कहा जा रहा है कि सीजेआई ने मामले पर शुक्रवार को सुनवाई का भरोसा दिया है। वहीं राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के समय सुरक्षा में हुई चूक पर चिंता जाहिर की है। पीएम मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रपति से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन में हुई मुलाकात के दौरान पीएम ने राष्ट्रपति को पंजाब में हुई घटना की पूरी जानकारी दी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी पंजाब में सड़क के रास्ते जाते समय सुरक्षा में गंभीर चूक होने के कारण फ्लाईओवर पर 20 मिनट तक फंसे रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने रास्ते को अवरुद्ध कर दिया था।इसके चलते, उनके काफिले ने लौटने का फैसला किया था।केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पंजाब सरकार से इस चूक के लिए एक रिपोर्ट मांगी है और इसके लिए जिम्मेदार रहे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को कहा है।

पंजाब में पीएम मोदी की सुरक्षा में सेंध का मामला शीर्ष कोर्ट पहुंचा

-जांच की मांग पर केंद्र और पंजाब सरकार को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के मामले में सियासी घमासान के बीच मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट से इस मामले की जांच करवाने की मांग की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी पंजाब सरकार से तत्काल रिपोर्ट मांगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। बुधवार को एक फ्लाइओवर पर 20 मिनट तक प्रधानमंत्री का काफिला फंसे रहने के मामले में राजनीति भी नया मोड़ ले रही है। आम तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी की मुखर आलोचना करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने इस मामले पर बीजेपी के समर्थन में उतर गई है। पंजाब चुनाव में बड़े दावेदार के रूप में उभर रहे दिल्ली के इस सत्ताधारी दल ने कांग्रेस पर करारा हमला किया है। इधर, वरिष्ठ एडवोकेट मनिंदर सिंह ने चीफ जस्टिस एनवी रमन से मामले की शिकायत की और जांच की गुहार लगाई। उनकी याचिका पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने एडवोकेट सिंह को निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि केंद्र और पंजाब की सरकारों को आज ही याचिका की एक-एक कॉपी भेजी जाए। उधर, मामले में किरकिरी झेल रही पंजाब की चरणजीत सिंह चन्नी सरकार ने भी मामले की जांच की पहल कर दी है। पंजाब सरकार ने पीएम की सुरक्षा में हुई चूक के मामले की जांच के लिए एक हाई लेवल टीम गठित कर दी है जो तीन दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। वहीं, बीजेपी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल राजभवन जाकर राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से शिकायत की है।

बहरहाल, आम आदमी पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। पार्टी प्रवक्ता और पंजाब में पार्टी के राजनीतिक मामलों के सह-प्रभारी राघव चड्ढा ने यह भी कहा कि प्रत्येक राज्य सरकार को सभी राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर प्रधानमंत्री को हाई लेवल सिक्यॉरिटी देनी चाहिए। चड्ढा ने कहा, 'प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक अस्वीकार्य है। हमारे मतभेद चाहे जो भी हों, प्रत्येक राज्य सरकार को प्रधानमंत्री के लिए उच्चतम स्तर की सुरक्षा देनी चाहिए।' वहीं, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने इस मामले में चरणजीत सिंह चन्नी पर मुख्यमंत्री पद का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चन्नी ने घटिया बहाने बनाकर अपने पद का अपमान किया है। लालपुरा ने सड़क जाम करने वालों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे कभी सिख या किसान नहीं हो सकते।

सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को करेगा सुनवाई–

सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को उस याचिका पर सुनवाई करेगा,

जिसमें यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है कि भविष्य में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई सेंध न हो। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह के उस प्रतिवेदन पर गौर किया, जिसमें कहा गया है कि पंजाब में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में गंभीर चूक हुई।

इसके बाद प्रधानमंत्री को पंजाब में एक रैली में शामिल हुए बगैर ही वापस दिल्ली लौटना पड़ा था। पीठ ने कहा, 'हम कल सबसे पहले इस पर सुनवाई करेंगे।'

मकर संक्रांति के अवसर पर 75 लाख लोग सूर्य नमस्कार करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर दुनिया भर में 75 लाख लोग सूर्य नमस्कार करने वाले है। आयुष मंत्रालय के बयान के अनुसार अन्य मंत्रालय भी इस मुहिम में शामिल होगा।सोनोवाल ने कहा कि महामारी के कारण प्रतिरक्षा स्तर को बढ़ाना अनिवार्य हो गया है। साथ ही कहा कि उनके मंत्रालय का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सूर्य नमस्कार करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जोकि ऐसा योग अभ्यास है जो न केवल शरीर को बल्कि दिमाग को भी मजबूत करने में मदद करता है।

गुजरात : सूरत में गैस लीक

दम घुटने से प्रिंटिंग मिल के 6 लोगों की मौत...20 से ज्यादा की हालत गंभीर

(एजेंसी)।

गुजरात के सूरत में गुरुवार सुबह सचिन इलाके में स्थित विश्व प्रेम डाइंग एंड प्रिंटिंग मिल के पास टैंकर से गैस लीक होने से मिल के 6 कर्मचारियों की दम घुटने से मौत हो गई है, जबकि 20 से ज्यादा लोग गंभीर हालत में हैं। मिली जानकारी के मुताबिक मिल के पास स्थित नाले में अज्ञात टैंकर चालक जहरीला केमिकल नाले में डाल रहा था। इस दौरान उसमें से एक जहरीली गैस का रिसाव होने लगा, इसके चलते पास ही में स्थित प्रिंटिंग मिल के कर्मचारी भी इसकी चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ितों को जल्द अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूरत नगर निगम (स्स्ष्ट) के प्रभारी मुख्य दमकल अधिकारी बसंत पारीक ने बताया कि हादसे के समय मजदूर सचिन औद्योगिक क्षेत्र स्थित रंगाई कारखाने में सो रहे थे। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग को सुबह करीब चार बजकर 25 मिनट पर घटना की सूचना मिली। जहरीला धुआं सांस लेते समय शरीर में जाने से करीब 25-26 मजदूर बेहोश हो गए थे, यह धुआं कारखाने के पास खड़े एक टैंकर से निकल रहा था। पारीक ने कहा, ''मजदूरों को 'न्यू सिविल हॉस्पिटल'' में भर्ती कराया गया है। उनमें से कम से कम पांच मजदूरों की अस्पताल में मौत हो गई।'' पारीक ने बताया कि बाद में दमकल विभाग ने गैस का रिसाव रोकने के लिए टैंकर के 'वॉल्व' को बंद कर दिया।

बता दें कि इससे पहले गुजरात के अहमदाबाद में कपड़े की फैक्ट्री में केमिकल वेस्ट टैंक की सफाई के दौरान चार मजदूरों की मौत हो गई थी।

भारत में ओमिक्रॉन वेरिएंट से पहली मौत राजस्थान के उदयपुर में, नमूने की जांच के बाद पुष्टि

नई दिल्ली । भारत में कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट से पहली मौत राजस्थान के उदयपुर में पिछले सप्ताह हुई, जिसकी पुष्टि बुधवार को नमूने की जांच के बाद की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि उदयपुर में हुई मौत तकनीकी रूप से ओमिक्रॉन से सबंधित है ।उन्होंने बताया, ओमिक्रॉन से संक्रमित होने की रिपोर्ट आने से पहले ही व्यक्ति की मौत हो गई थी। मरीज बुजुर्ग व्यक्ति थे और उन्हें मधुमेह के साथ अन्य बीमारियां भी थीं ।अग्रवाल ने कहा, हमारे दिशानिर्देश कहते हैं, कि अगर कोरोना संक्रमित मरीज की मौत होती है,तब उस कोविड-19 से हुई मौत माना जाता है ।इस प्रकार अगर व्यक्ति ओमिक्रॉन से ग्रस्त पाया जाता है और भले ही इसका देर से पता चले, हम उस ओमिक्रोन संक्रमण का मामला मानते हैं। राजस्थान सरकार के अधिकारियों ने बताया कि व्यक्ति (73) के नमूने के जीनोम अनुक्रमण में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई है उसकी दो बार कोविड जांच की गई थी जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई थी और 31 दिसंबर को उदयपुर के अस्पताल में मरीज की मौत हो गई थी। व्यक्ति की मौत कोविड के बाद निमोनिया से हुई और वह पहले से भी मुधमेह, उच्च रक्तचाप और हाइपोथायराइडिज्म से पीड़ित थे ।व्यक्ति 15 दिसंबर को कोरोना से संक्रमित हुए थे और उनमें बुखार, खांसी और राइनिइटिस जैसे लक्षण थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके जांच के नमूने जीनोम अनुक्रमण के लिए भेज और 25 दिसंबर को मिली रिपोर्ट में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई।

पीएम की सुरक्षा में चूक अक्षम्य, यह पंजाब सरकार और कांग्रेस की दुरभि संधि का प्रमाण : योगी

लखनऊ (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के फिरोजपुर में दौरे के दौरान आयोजित होने वाली रैली रद्द हो गई। इस बारे में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पीएम की सुरक्षा में चूक अक्षम्य है और यह पंजाब सरकार और कांग्रेस की दुरभि संधि का प्रमाण है। पंजाब सरकार को इस बात के लिए माफ़ी मांगनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ जो खिलवाड़ पंजाब सरकार के संरक्षण में हुआ है वह पंजाब में व्याप्त अराजकता और दुर्व्यवस्था का एक जीता जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश की 130 करोड़ लोगों के सर्वप्रिय नेता हैं और उनकी सुरक्षा से चूक देश की समस्त जनता का अपमान है। योगी ने कहा कि कांग्रेस शासित पंजाब की सरकार को देश की जनता से इस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस सदैव से इस देश की संवैधानिक व्यवस्थाओं की अवमानना करती रही है और आज इसका उदाहरण एक बार फिर से देश ने देखा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ आज हुई गंभीर चूक अक्षम्य है और यह पंजाब सरकार और कांग्रेस की एक दुरभि संधि को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि देश कभी भी इस प्रकार की कांग्रेस की साजिशों को सफल नहीं होने देगा।

राजनाथ सिंह की जनता से अपील कांग्रेस को मत देना माफी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लोगों से अपील की कि पंजाब में पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक के लिए वे कांग्रेस को कभी माफ न करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक संस्था है और लोकतंत्र में अगर ऐसी संस्था कमजोर हो जाए तो यह ठीक नहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणी बुधवार को पंजाब की यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में 'बड़ी चूक' के एक दिन बाद आई है। राजनाथ सिंह 'विजय संकल्प यात्रा' के समापन समारोह के दौरान एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने के लिए उत्तराखंड के उत्तरकाशी में थे। पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक पर बोलते हुए राजनाथ ने कहा कि उन्होंने कभी भी निराधार आरोप नहीं लगाए हैं। राजनाथ सिंह ने रैली में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी पंजाब में थे जहां कांग्रेस सत्ता में थी और उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ किया गया।

कोरोना की बढ़ती रफ्तार ने रैलियों पर लगाया ब्रेक बीजेपी, कांग्रेस और सपा ने रद्द किए कार्यक्रम

लखनऊ। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर सियासी दलों भाजपा, कांग्रेस व समाजवादी पार्टी ने अपनी रैलियां रद्द कर दी हैं। भाजपा की लखनऊ में नौ जनवरी को प्रस्तावित रैली निरस्त हो गई है। इस बड़ी रैली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करने वाले थे। इसे भाजपा और पीएम मोदी की पहली चुनावी रैली माना जा रहा था। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी ने भी अपनी विजय रथ यात्रा को रद्द कर दिया है। अखिलेश यादव 7 से 9 जनवरी तक गोंडा, बस्ती और अयोध्या में अपनी रथयात्रा निकालने वाले थे। उन्होंने भी कोरोना संक्रमण के मद्देनजर रथयात्रा को रोक दिया है। गौरतलब है कि अखिलेश यादव की रैलियों में भी भारी भीड़ जुट रही थी। प्रदेश में कोरोना के केस अचानक बढ़ते देख यह फैसला किया गया है। दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस ने 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' मैराथन रद्द कर दी है। प्रवक्ता अशोक सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस डोर-टु-डोर अभियान जारी रखेगी। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में जहां चुनाव होने वाले हैं, बड़ी रैलियों को स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा है कि हमने राज्य इकाइयों से अपने राज्यों में कोविड -19 की स्थिति का आकलन करने और रैलियां आयोजित करने पर निर्णय लेने के लिए कहा है। वहीं कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच राजनैतिक दलों के सामने भी चुनाव प्रचार अभियान को डिजिटल मोड में संचालित करने की चुनौती है। भाजपा ने इस दिशा में तैयारी भी शुरू कर दी है।

दिल्ली, यूपी, पंजाब और हरियाणा में होगी तेज बारिश की संभावना

-मौसम विभाग ने 7-8 जनवरी के लिए जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली ।

कड़के की ठंड से गुजर रहे पूरे उत्तर भारत में अब बारिश का भी कहर होगा। यहां के मैदानी इलाकों पर एक पश्चिमी विक्षोभ के बनने से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बारिश शुरू हो गई है। बुधवार सुबह से ही इन इलाकों में लोगों को बारिश का सामना करना पड़ा, जिसके चलते ठंड और बढ़ गई है। स्काइमेट के मुताबिक, आने वाले दो दिनों में लोगों को बारिश और परेशान करेगी। वहीं, कुछ इलाकों में ओले पड़ने की भी संभावना जताई गई है। वर्तमान में सात और आठ जनवरी के आसपास बहुत अधिक ऊपरी हवा का पैटर्न देखने को मिल रहा है जिसके परिणामस्वरूप भारी बारिश होगी। इस तरह की मौसम गतिविधि के कारण नौ जनवरी को भी थोड़ी बारिश की संभावना है। इसके अलावा, सात और आठ जनवरी को पंजाब और हरियाणा के उत्तरी हिस्सों के साथ-साथ दिल्ली में ओलावृष्टि देखी जा सकती है। यह इन राज्यों के लिए एक खतरनाक स्थिति हो सकती है, जहां बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है और कुछ फसलों के नुकसान की भी आशंका है। वहीं, पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी से जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई जगह यातायात ठप हो गया है। उत्तराखंड में कई गांवों का संपर्क कट गया है। केदारनाथ में तीन फीट बर्फ जम गई। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए भी कई राज्यों में बादल छाए रहने की आशंका जताई है।

सभी छोटी-बड़ी कारों में 6 एयरबैग लगे होने चाहिए : गडकरी

यह एयरबैग गाड़ी के पिछले हिस्से में सवार यात्रियों को सुरक्षा देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा चार पहिया वाहनों के अगले हिस्से में ड्राइवर और सवारी के लिए 2 एयरबैग लगाने की सुविधा को अनिवार्य करने के बाद 4 और एयरबैग लगाना आवश्यक किया गया है। इसके बाद सभी चार पहिया वाहनों में अब 6 एयरबैग लगे होंगे। यह एयरबैग गाड़ी के पिछले हिस्से में सवार यात्रियों को सुरक्षा देंगे। सूत्रों ने कहा कि चार एयरबैग की कीमत और वाहनों में आवश्यक बदलाव की कीमत लगभग 8,000 रुपये से 9,000 रुपये होगी।उन्होंने कहा कि इस अतिरिक्त लागत से कारों में यात्रियों की सुरक्षा में काफी मदद मिलेगी। सरकार ने पिछले साल चार पहिया वाहनों के नए मॉडल में 2 एयरबैग अनिवार्य कर दिया था। अब माना जा रहा है कि गाड़ियों में 6 एयरबैग का नियम साल 2022 1 जनवरी से लागू है। सूत्रों ने कहा कि हर एयरबैग की कीमत लगभग 1,800 रुपये होगी।गाड़ियों में मॉडिफिकेशन की हालत में इसकी कीमत 400-500 रुपये होगी। वहीं बड़ी संख्या में बेची जाने वाली कारों के लिए लागत कम होगी। बीते साल सितंबर में गडकरी ने कहा था कि छोटी कारों में भी सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त संख्या में एयरबैग होने चाहिए। आमतौर पर छोटी कारों की खरीद कम आय वर्ग वाले मध्यवर्गीय लोगों द्वारा होती। गडकरी ने सवाल किया था कि वाहन कंपनियां सिर्फ अमीर लोगों द्वारा खरीदी जाने वाली बड़ी कारों में ही आठ एयरबैग क्यों उपलब्ध कराती हैं। गडकरी ने कहा था कि छोटी सस्ती कारों में अधिक एयरबैग की अपील वह सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, छोटी कारों की खरीद निम्न मध्यम आय वर्ग

के लोगों द्वारा की जाती है। यदि उनकी कारों में एयरबैग नहीं होगा,तब दुर्घटना की स्थिति में उनकी जान जा सकती है।इसके बाद मैं सभी कार विनिर्माताओं से अपील करूंगा कि वे अपने वाहनों के सभी संस्करणों में कम से कम छह एयरबैग उपलब्ध कराएं। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था अतिरिक्त एयरबैग से छोटी कारों की लागत कम से कम 3,000 से 4,000 रुपये बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा था, 'हमारे देश में गरीबों को भी पूरी सुरक्षा मिलनी चाहिए। अमीर लोगों के लिए आप आठ एयरबैग देते हैं। सस्ती कारों के लिए आप सिर्फ दो-तीन एयरबैग की पेशकश करते हैं।ऐसा क्यों?'

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

☎ 9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई